mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-04 अंक-233 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

सतना
23 अगस्त 2024 शुक्रवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

सतना, रीवा से एक साथ प्रकाशित

लखनऊ के मेंटर...
@ पेज 7

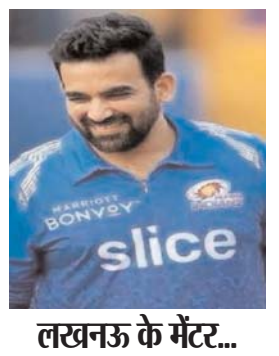

युद्ध से नहीं निकलेगा समाधान...

पोलैंड की जमीन से पीएम मोदी ने अपने दो दोस्तों को दिया संदेश

शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली के लिए डायलॉग और डिप्लोमेसी का किया समर्थन

वारसॉ (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पोलैंड दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ संयुक्त प्रेस वार्ता को भी संबोधित किया। अपने उद्बोधन के दौरान पीएम मोदी ने पोलैंड के साथ भारत के मजबूत संबंधों का बखान तो किया ही, साथ में इशारों-इशारों में रूस और यूक्रेन को भी संदेश दे किया। पीएम मोदी ने दो टूक लहजे में कहा कि वह शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली के लिए डायलॉग और डिप्लोमेसी का समर्थन करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भारत का यह दृढ़ विश्वास है कि किसी भी समस्या का समाधान रणभूमि में नहीं हो सकता। पीएम मोदी ने पोलैंड के साथ राजनयिक वर्षगांठ के 70 साल पूरे होने पर दोनों देशों के संबंधों को स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप में बदलने का भी ऐलान किया। पीएम मोदी ने कहा, आज का दिन भारत और पोलैंड के संबंधों में विशेष महत्व रखता है। आज पैंतालीस साल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने पोलैंड का दौरा किया है। इस वर्ष हम अपने राजनयिक संबंधों की सत्तरवीं वर्षगांठ मना रहे हैं। इस अवसर पर हमने संबंधों को स्ट्रैटजिक पार्टनरशिप में परिवर्तित करने का निर्णय लिया है। हम पोलैंड की कंपनियों को मेक इन इंडिया और मेक फॉर द वर्ल्ड से जुड़ने के लिए आमंत्रित करते हैं। पीएम मोदी ने यह भी कहा, भारत और पोलैंड अंतर्राष्ट्रीय मंच पर भी करीबी तालमेल के साथ आगे बढ़ते रहे हैं। हम दोनों इस पर सहमत हैं।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में बढ़ी भाजपा की चिंता

- अपने ही सीएम के खिलाफ 7 विधायकों ने की जांच की मांग

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में भीषण हिंसा का दौर भले ही थम गया है, लेकिन तनावपूर्ण हालात अब भी बने हुए हैं। मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के खिलाफ भी लगातार आवाजें उठ रही हैं और उनके खिलाफ विपक्ष लंबे समय से मोर्चा खोले हुए हैं। उन्हें हटाने की मांग की जा रही है। इस बीच भाजपा के ही 7 विधायकों ने सीएम बीरेन सिंह के खिलाफ जांच के लिए आयोग गठित करने की मांग की

है। कुल 10 कुकी विधायकों ने जांच की मांग की है, जिनमें से 7 सत्ताधारी दल भाजपा के ही हैं। इन लोगों का कहना है कि हिंसा की घटनाओं की जांच के लिए आयोग गठित होना चाहिए। इसमें यदि एन. बीरेन सिंह को दोषी पाया जाए तो उनके खिलाफ ऐक्शन हो। इन विधायकों ने साझा बयान जारी कर कहा कि सीएम बीरेन सिंह की भूमिका संदिग्ध थी।

फार्मा फैक्ट्री में आग, 17 की मौत

36 लोगों का इलाज जारी, पीड़ितों से मिलेंगे सीएम नायडू

अनाकापल्ले (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश में अनाकापल्ले जिले की एक फार्मा कंपनी में बुधवार दोपहर करीब 2.15 बजे आग लग गई। हादसे में पहले 18 मौतों की जानकारी सामने आई। देर रात प्रशासन ने 17 लोगों की मौत की पुष्टि की। 36 लोग जख्मी हैं। सभी को

जिले के एनटीआर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना अच्युतापुरम स्थित फार्मा कंपनी एस्किएंटिया के प्लांट में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहले कंपनी के रिएक्टर के पास आग दिखी, फिर तेज धमाका हुआ। इससे बिल्डिंग के पहले फ्लोर का स्लैब ढह गया। घायलों की संख्या ज्यादा हो सकती है।

जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और एनसी मिलकर लड़ेंगे चुनाव

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस मिलकर चुनाव लड़ेंगे। पूर्व सीएम फारुक अब्दुल्ला ने गुरुवार को राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे से लंबी मुलाकात के बाद इसका ऐलान किया। अब्दुल्ला ने कहा कि जल्दी ही हम सीट बंटवारे का ऐलान करेंगे और घोषणापत्र भी जारी किया जाएगा। यही नहीं उन्होंने मीडिया की ओर से पीडीपी को भी साथ लाने के सवाल पर सकारात्मक रुख दिखाया। अब्दुल्ला ने कहा कि हमारे दरवाजे समान विचारधारा वाले किसी भी दल के लिए बंद नहीं हैं और भविष्य में किसी भी बात पर विचार किया जा सकता है। वहीं जीत की स्थिति में खुद के सीएम बनने के सवाल को हंसकर टाल दिया। फारुक अब्दुल्ला ने कहा, 'हमारे लोग साथ हैं।

राजस्थान में आतंकी संगठन से जुड़े 6 लोग गिरफ्तार

- दिल्ली पुलिस की भिवाड़ी में छापेमारी

भिवाड़ी (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने भिवाड़ी के चौपानकी में आतंकी संगठनल अल-कायदा से जुड़े 6 संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि पकड़े गए संदिग्ध भिवाड़ी जिले में हथियार चलाने की ट्रेनिंग ले रहे थे। सूत्रों के अनुसार संदिग्धों को दिल्ली ले जाया गया है। फिलहाल इस मामले में भिवाड़ी पुलिस और दिल्ली पुलिस ने कोई भी जानकारी शेयर नहीं की है। दरअसल, दिल्ली पुलिस ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान और झारखंड में एटीएस के साथ मिलकर कई शहरों में छापेमारी की है। ऑपरेशन में अल-कायदा से प्रेरित एक मॉड्यूल (अल-कायदा इन इंडियन सब कॉन्टिनेंट) का खुलासा हुआ। तीन राज्यों से अब तक कुल 14 संदिग्धों को पकड़ा गया है। शुरुआती जांच के मुताबिक इस मॉड्यूल का संचालन रांची का डॉ. इश्तियाक कर रहा था। वह देश के विभिन्न इलाकों में बड़ी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की फिराक में जुटा था। मॉड्यूल के सदस्यों को अलग-अलग स्थानों पर हथियार चलाने की ट्रेनिंग भी दी गई थी।

जिस डर में आप जीते हो, इसको हम पूरी तरह से मिटाना चाहते हैं

- श्रीनगर की जनता से बोले राहुल गांधी,लोकसभा चुनाव का भी किया जिक्र
- कहा-इंडिया गठबंधन ने प्रधानमंत्री मोदी के आत्मविश्वास को खत्म कर दिया

श्रीनगर (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गुरुवार को श्रीनगर पहुंचे। इस दौरान राहुल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। साथ ही उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी परेशानियों को दूर किया जाएगा। कांग्रेस पार्टी उनके साथ खड़ी है। गांधी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा कि जिस डर में आप जीते हो। इसको हम पूरी तरह से मिटाना चाहते हैं। मैं जानता हूं कि आप लोगों को क्या सहना पड़ता है। राहुल गांधी ने कहा कि गठबंधन होगा, लेकिन कांग्रेस कार्यकर्ताओं की इज्जत के साथ कोई समझौता नहीं होगा। क्योंकि आपने अपनी पूरी जिंदगी कांग्रेस पार्टी को आगे बढ़ाने में और भारत की रक्षा करने में गुजार दी। अपने संबोधन में राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के परिणाम का भी जिक्र किया और कहा कि इंडिया गठबंधन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मविश्वास को खत्म कर दिया है। राहुल ने कहा कि जब देश के अलग-अलग राज्यों में चुनाव की घोषणा हुई, तो मैंने खड़गे जी से मुलाकात की। फिर हमने तय किया कि हमें सबसे पहले जम्मू-कश्मीर जाना चाहिए, क्योंकि हम देश के लोगों को

संदेश देना चाहते हैं कि हमारे लिए जम्मू-कश्मीर के लोगों का प्रतिनिधित्व सबसे जरूरी है। हिंदुस्तान के इतिहास में आजादी के बाद ये पहली बार हुआ है, जब किसी राज्य को केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है।

सीबीआई बोली-सबूतों से छेड़छाड़, देर से एफआईआर

- सुप्रीम कोर्ट के जज ने कहा-30 साल में ऐसा नहीं देखा

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता की डॉक्टर के रेप और मर्डर केस की जांच कर रही सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट में स्टेटस रिपोर्ट दाखिल कर दी है। एजेंसी ने अदालत में सुनवाई के दौरान बंगाल पुलिस और सरकार पर आरोपों की झड़ी लगा दी। अदालत ने कहा कि घटनास्थल से छेड़छाड़ की गई है। इसके चलते कुछ सबूत भी खत्म होने का संकट है। हालत ऐसी है कि जांच शुरू कर पाना भी एक चुनौती है। इस दौरान जस्टिस जेबी पारदीवाला ने यह भी कहा कि मैंने 30 सालों में ऐसी घटना नहीं देखी। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस मामले में सही प्रक्रिया का पालन ही नहीं किया। कोर्ट ने कहा जब पता चलाकि यह अप्राकृतिक जांच का मामला है तो फिर क्राइम सीन को चिह्नित करके घेराबंदी करने में देरी क्यों की गई।

काम पर लौट आइए, आपके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होगी

- सुप्रीम कोर्ट की प्रदर्शनकारी डॉक्टरों से अपील
- ममता सरकार को फिर लताड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज केस के विरोध में प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से सुप्रीम कोर्ट ने काम पर लौटने की अपील की है। शीर्ष अदालत ने डॉक्टरों को भरोसा दिया है कि काम पर वापस आने पर उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

दरअसल, एम्स नागपुर के रेजिडेंट डॉक्टर्स ने सुप्रीम कोर्ट को बताया था कि कोलकाता मामले के विरोध-प्रदर्शन करने की वजह से उन्हें परेशान किया जा रहा है। डॉक्टरों के वकील ने तर्क दिया कि उन्हें अनुपस्थित मार्क किया जा रहा है और परीक्षाओं में बैठने से रोक दिया जा रहा है। उन्होंने अदालत से नरमी बरतने का अनुरोध किया। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि अदालत प्रशासन को झूठी उपस्थिति दर्ज करने का निर्देश नहीं दे सकती है। उन्होंने डॉक्टर्स को पहले काम पर लौटने का निर्देश देते हुए भरोसा दिया कि बाद में उनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। एक अन्य वकील ने बताया कि पीजीआई चंडीगढ़ के डॉक्टर्स ने रैली में भाग लिया, लेकिन बाद में काम पर लौट आए। इस पर, सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि एक बार सभी डॉक्टर काम पर लौट आते हैं, तो अदालत एक सामान्य आदेश जारी करेगी।

अयोध्या गैंगरेप केस के आरोपी के खिलाफ बड़ा ऐक्शन

- आरोपी मोईद खान के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर चला बाबा का बुलडोजर

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के अयोध्या में नाबालिग से गैंगरेप केस के आरोपी समाजवादी पार्टी नेता मोईद खान के खिलाफ एक्शन तेज है। इस क्रम में रेप आरोपी मोईद खान के ठिकानों पर कार्रवाई तेज कर दी गई है। रेपिस्ट मोहम्मद मोईद खान के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर बुलडोजर एक्शन शुरू हो गया है। प्रशासन की टीम सुबह 11 बजे के बाद बुलडोजर के साथ भदरसा स्थित शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पहुंची। इसके बाद कॉम्प्लेक्स को तोड़ने की कार्रवाई शुरू की गई। इससे पहले शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में चलने वाले बैंक और अन्य प्रतिष्ठानों को खाली करवाया गया। अयोध्या गैंगरेप केस में समाजवादी पार्टी नेता का नाम सामने आया था। इसको लेकर प्रदेश में राजनीति खूब गरमाई रही है। अब बुलडोजर एक्शन का मामला

गरमा गया है। अयोध्या गैंगरेप कांड में आरोपी की बेकरी के बाद अब शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर एक्शन शुरू हो गया है। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। गैंगरेप आरोपी के खिलाफ प्रशासनिक कार्रवाई का समर्थन किया गया। गैंगरेप का मामला सामने आने के बाद से बुलडोजर एक्शन की मांग की जा रही थी। इसके बाद आरोपी के ठिकानों की जांच शुरू हुई। पहले बेकरी पर एक्शन हुआ। इसके बाद शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। अयोध्या के भदरसा गैंगरेप मामले में आरोपी मोईद खान के शॉपिंग कॉम्प्लेक्स पर बुलडोजर एक्शन की तैयारी पूरी की गई। एसडीएम सोहावल ने इस संबंध में जानकारी दी थी। एसडीएम ने कहा कि सुबह लगभग 11 बजे आरोपी मोईद खान के कॉम्प्लेक्स पर बुलडोजर की कार्रवाई की जाएगी। शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में एक बैंक का कार्यालय भी है। कार्रवाई से पहले सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं। मौके पर पुलिस बल की तैनाती भी की जा रही है।

एक साथ रूस-यूक्रेन दोनों को साधना चाहता है भारत

मोदी सरकार ने बदली अपनी स्ट्रैटेजी, आज यूक्रेन पहुंचेंगे पीएम

30 साल में यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय पीएम होंगे नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली/वारसॉ (एजेंसी)। भारत बुद्ध की विरासत वाली धरती है, जो युद्ध नहीं, शांति पर विश्वास करती है। इसलिए, भारत इस रीजन में भी स्थाई शांति का एक बड़ा पैरोकार है। भारत का मत एकदम साफ है, ये युद्ध का युग नहीं है। पोलैंड की राजधानी वॉरसा की धरती से जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया को यह संदेश दिया तो यह कहा जाने लगा कि क्या मोदी रूस और यूक्रेन के बीच जंग रुकवा सकते हैं। क्या मोदी शांति दूत हैं। क्यों विदेश जाकर वो बुद्ध की बात कर रहे हैं। मोदी पोलैंड से यूक्रेन भी जाएंगे। भारतीय समुदाय के लोगों के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, दशकों तक भारत की नीति सभी देशों से दूरी बनाकर रखने की रही थी। जबकि आज के भारत की

नीति सभी देशों के करीब रहने की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 अगस्त को यूक्रेन के दौरे पर रहेंगे। 30 साल में ये पहली बार है, जब कोई भारतीय पीएम यूक्रेन दौरे पर होगा। इस दौरे से ये भी कहा जा रहा है कि क्या युद्ध रुकवाने पर पीएम मोदी को क्या इस बार शांति का नोबेल मिल सकता है। यूक्रेन में सूर्यमुखी की पैदावार काफी ज्यादा होती है। भारत अपनी खाद्य तेलों का बड़ा आयात यूक्रेन से ही करता है। खासतौर पर सूर्यमुखी के तेलों का आयात किया जाता है। वैसे तो यूक्रेन गेहूं जैसे अनाज उत्पादन के मामले में दुनिया में काफी आगे है। इसे यूरोप का ब्रेड बॉस्केट कहा जाता है।

मोदी बोले-दुनिया भारत को मानती है विश्व बंधु

पीएम मोदी ने कहा है कि भारत का विजडम ग्लोबल है, विजन ग्लोबल है। हमारे पूर्वजों ने हमें वसुधैव कुटुंबकम का मंत्र दिया है। भारत का कल्चर ग्लोबल है। केयर और कंपैशन ग्लोबल है। हमने पूरी दुनिया को एक परिवार माना है और यही आज के भारत की नीति और निर्णयों में नजर आता है। आज का भारत सबसे जुड़ना चाहता है, आज का भारत सबके विकास की बात करता है, आज का भारत सबके साथ है, सबके हित की सोचता है। हमें गर्व है कि आज दुनिया भारत को विश्व बंधु के रूप में सम्मान दे रही है। भारत इस क्षेत्र में स्थायी शांति का समर्थक है। भारत कूटनीति और संवाद में विश्वास करता है। बीते 25 सालों में भारत और यूक्रेन के व्यापारिक संबंधों में बढ़ोतरी हुई है। भारत के विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 2021-22 वित्तीय वर्ष में दोनों देशों के बीच 3.3 अरब डॉलर का व्यापार हुआ था। वहीं रूस और भारत के बीच तकरीबन 60 अरब डॉलर का व्यापार हुआ।

काजी नहीं अब राज्य सरकार करेगी निकाह का रजिस्ट्रेशन

असम सरकार मुस्लिम शादी को लेकर ला रही नया कानून

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम में मुस्लिमों के निकाह और तलाक को लेकर जल्द ही बहुत कुछ बदलने वाला है। इसको लेकर असम की बीजेपी सरकार विधानसभा में एक विधेयक पेश करेगी। इस विधेयक के आने से मुस्लिम निकाह काजियों द्वारा रजिस्ट्रर्ड नहीं किए जाएंगे, बल्कि सरकार के समक्ष पंजीकृत होंगे। मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की सरकार मुस्लिम लोगों के विवाह और तलाक के अनिवार्य सरकारी पंजीकरण के लिए विधानसभा के आगामी सत्र में एक विधेयक पेश करेगी। सरमा ने मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मीडिया को बताया कि सरकार आगामी सत्र के दौरान असम मुस्लिम विवाह अनिवार्य पंजीकरण और तलाक विधेयक, 2024 पेश करेगी। यह सत्र आज से शुरू हुआ है। वहीं,विपक्ष इस बिल का विरोध करने के लिए तैयार बैठा है। एआईयूडीएफ नेता रफीकुल इस्लाम ने कहा कि मौजूदा मुस्लिम विवाह अधिनियम पूरी तरह से काम कर रहा है, सीएम केवल हिंदू मुस्लिम राजनीति करना चाहते हैं।

मुसलमानों को निशाना बनाने की बजाय उन्हें मुसलमानों की भलाई पर काम करना चाहिए। विधानसभा में अध्यादेश या बिल लाया जाएगा, तो हम विरोध करेंगे। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि इससे पहले मुस्लिम निकाह काजियों द्वारा रजिस्ट्रेशन किए जाते थे, लेकिन इस नये विधेयक से यह सुनिश्चित होगा कि समुदाय में होने वाले सभी विवाह सरकार के समक्ष रजिस्ट्रर्ड होंगे। सरमा ने यह भी दावा किया कि पहले काजियों द्वारा नाबालिगों की शादियों का भी पंजीकरण किया जाता था, लेकिन प्रस्तावित विधेयक ऐसे किसी भी कदम पर रोक लगाएगा। उन्होंने मंत्रिमंडल के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि अब नाबालिगों की शादी का पंजीकरण बिल्कुल नहीं होगा। हम बाल विवाह की कुप्रथा को खत्म करना चाहते हैं। इसलिए, विवाहों का पंजीकरण उप-पंजीयक कार्यालय में किया जाएगा। हिमंता सरमा ने कहा कि विवाह समारोहों के दौरान मुसलमानों द्वारा अपनाई जाने वाली रस्मों पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा, लेकिन काजियों द्वारा पंजीकरण पर रोक लगाई गई है।

संक्षिप्त समाचार

तृतीय सीएलसी चरण में यूजी-पीजी प्रवेश में आवंटन प्राप्त विद्यार्थी 24 अगस्त तक जमा कर सकेंगे प्रवेश शुल्क

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। स्नातक एवं स्नातकोत्तर (यूजी-पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तृतीय सीएलसी चरण में ऑनलाइन प्रवेशित विद्यार्थियों के लिए प्रवेश शुल्क के भुगतान की तिथि बढ़ाई गई है। अब तृतीय सीएलसी चरण में ऑनलाइन प्रवेशित विद्यार्थी 24 अगस्त तक प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे। विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी उच्च शिक्षा डॉ तुलसीराम दहायत ने बताया कि स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तृतीय सीएलसी चरण में ऑनलाइन प्रवेश के लिए, पूर्व में 10 अगस्त तक प्रवेश शुल्क का भुगतान किए जाने की अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। अधिकांश विद्यार्थियों द्वारा निर्धारित समय पर प्रवेश शुल्क का भुगतान नहीं किया गया है। तृतीय सीएलसी चरण में विद्यार्थियों को ऑनलाइन प्रवेश के लिए आवंटित महाविद्यालयों में प्रवेश शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 24 अगस्त तक बढ़ाई गई है, ऐसे विद्यार्थी 24 अगस्त तक आवंटित महाविद्यालयों में प्रवेश शुल्क जमा कर सकेंगे।

स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अब 31 अगस्त तक होगी विशेष महाविद्यालय स्तर काउंसलिंग (सीएलसी)

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश के महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर (यूजी-पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए अब 31 अगस्त तक महाविद्यालय स्तर विशेष काउंसलिंग (सीएलसी) होगी। विद्यार्थी सीधे महाविद्यालय जाकर ऑफलाइन आवेदन कर रिक्त सीटों पर प्रवेश ले सकेंगें। सीट उपलब्ध न होने की स्थिति में अन्य विषय अथवा अन्य महाविद्यालय में जहाँ सीट रिक्त हैं, वहाँ सीधे प्रवेश प्राप्त करने के लिए आवेदन कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने उच्च शिक्षा विभाग को प्रदेश के महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर (यूजी-पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश से वंचित रह गए विद्यार्थियों को एक और अवसर दिए जाने के संबंध में निर्देश दिए थे। विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी उच्च शिक्षा डॉ तुलसीराम दहायत ने बताया कि प्रदेश के स्नातक एवं स्नातकोत्तर (यूजी-पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए इच्छुक विद्यार्थी, 31 अगस्त तक महाविद्यालय स्तर विशेष काउंसलिंग (सीएलसी) में शामिल हो सकेंगे। डॉ दहायत ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग अंतर्गत महाविद्यालयों में स्नातक एवं स्नातकोत्तर (यूजी-पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए सीएलसी चतुर्थ चरण के लिए जारी की गई समय सारणी को निरस्त करते हुए, विशेष महाविद्यालय स्तर काउंसलिंग (सीएलसी) के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी 31 अगस्त 2024 तक ही प्रवेश प्राप्त कर सकेंगे। इस संबंध में प्रदेश के समस्त महाविद्यालय प्राचार्यों, अग्रणी महाविद्यालय प्राचार्यों एवं क्षेत्रीय अतिरिक्त संचालकों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किए गए हैं।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में पक्षी अवलोकन एवं नेचर कैम्प का आयोजन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश ईको पर्यटन विकास बोर्ड के सहयोग से वन विहार राष्ट्रीय उद्यान, भोपाल में छात्र-छात्राओं में वन, वन्य-प्राणियों एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता तथा प्रकृति संरक्षण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने की दृष्टि से भोपाल शहर एवं उसके आस-पास के ग्रामों के शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिये एक दिवसीय पक्षी अवलोकन एवं नेचर कैम्प आयोजित किये जा रहे हैं। इसी क्रम में 21 अगस्त, 2024 को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय नरेला शंकरी भोपाल के 44 छात्र/छात्राओं एवं 02 शिक्षकों ने उक्त पक्षी अवलोकन एवं नेचर कैम्प में भाग लिया। कार्यक्रम में स्रोत व्यक्ति रूप में श्री ए.के. खरे से.नि उप वनसंरक्षक एवं पक्षीविद के रूप में मो. खालिक भोपाल बर्डस उपस्थित रहे। विषय-विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को पक्षी दर्शन, तितली, वन्य-प्राणी दर्शन, स्थल पर विद्यमान वानिकी गतिविधियों की जानकारी, वन, वन्य-प्राणी एवं पर्यावरण से संबंधित रोचक गतिविधियों कराई गई एवं जानकारी प्रदान कर उनकी जिज्ञासाओं को शांत किया गया। इसके अतिरिक्त बाघ, तेंदुआ, भालू, मगर, घड़ियाल, चीतल, सांभर, नीलगाय आदि वन्य-प्राणियों का भी अवलोकन किया इस अवसर पर एक पेड़ माँ के नाम'' के अंतर्गत नीडम में छात्र/छात्राओं द्वारा वृक्षारोपण किया गया। साथ ही मिशन लाइफ अंतर्गत पर्यावरण को बचाने के लिये उपस्थित प्रतिभागियों द्वारा शपथ भी ली गई। इस दौरान संचालक वन विहार श्री मीना अवधेश कुमार शिवकुमार, सहायक संचालक वन विहार श्री एस.के. सिन्हा एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

अंतरिक्ष विज्ञान की नई तकनीक से प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर संरक्षण एवं संवर्धन-मंत्री सिलावट

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि अंतरिक्ष विज्ञान की नई तकनीक के प्रयोग से हम हमारे प्राकृतिक संसाधनों का बेहतर संरक्षण एवं संवर्धन कर सकते हैं और हमारा देश एवं प्रदेश अधिक सक्षम और समृद्धिशाली बन सकता है। अंतरिक्ष सूचनाओं के आधार पर आज हम प्रदेश के जल संसाधनों का योजनाबद्ध तरीके से प्रबंधन कर सकते हैं। जल संसाधनों के विकास, योजना निर्माण तथा निर्मित संरचनाओं की निगरानी एवं उनके प्रबंधन में यह विज्ञान अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ है। हमें इसका अधिक से अधिक उपयोग करना चाहिए। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के प्रांगण में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 23 अगस्त के परिप्रेक्ष्य में जल के क्षेत्र में अंतरिक्ष विज्ञान का उपयोग विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। कार्यशाला का आयोजन जल संसाधन विभाग एवं मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद

द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। कार्यक्रम में इसरो सहित अंतरिक्ष विज्ञान से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के वैज्ञानिक, संबंधित विभागों के अधिकारी तथा जल एवं पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य करने वाले शोधार्थी शामिल हुए। मंत्री श्री सिलावट ने शोधार्थियों को सम्मानित भी किया। उन्होंने अंतरिक्ष विज्ञान पर केंद्रित प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया। जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में तेज गति से आगे बढ़ रहा है। भारत ने 23 अगस्त 2023 को चंद्र दक्षिण ध्रुवीय क्षेत्र में अपने चंद्रयान-तीन विक्रम लैंडर को सफलता पूरक उतारा था।

भारत की इस महान उपलब्धि के अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रतिवर्ष देश में 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह पूर्वक मनाया जाने की घोषणा की गई। राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस पर पूरे प्रदेश के महाविद्यालय /विद्यालयों में अंतरिक्ष दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जिनमें वैज्ञानिक छात्र संवाद, अंतरिक्ष विज्ञान आधारित कथन, प्रश्नोत्तरी एवं फिल्मों का प्रदर्शन आदि गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। जल संसाधन मंत्री ने कहा कि आज भारत में अंतरिक्ष कार्यक्रमों की निरंतर उपलब्धि के चलते समय-समय पर भेजे गए उपग्रहों के माध्यम से हमें कई महत्वपूर्ण सूचनाऐं एवं जानकारी प्राप्त हो रही हैं। नदियों के बहाव के साथ-साथ बाढ़ का प्रबंध करने में अंतरिक्ष सूचनाओं से पूर्व-सूचना तंत्र विकसित किया जा रहा है, जो बाढ़ आपदा प्रबंधन के लिये अति महत्वपूर्ण निर्णय प्रणाली है। अल्प वर्षा की स्थिति में सूखे से निपटने के लिए भी इस तकनीकी से सूखे का आकलन एवं प्रबंधन किया जाना संभव हो पाता है।

पक्के घर की आस - अब जाकर हुई पास

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। बारिश सबके लिये खुशियां लेकर आती है। पर कच्चे घर वाले लोग बारिश की आहट से ही सहम जाते हैं। शहडोल शहर के वार्ड नं. 23 में रहने वाली श्रीमती रनिया बाई कोल भी कच्ची झोपड़ी में रहती थीं। उनकी कई पीढ़ियां इसी झोपड़ीनुमा घर में रहते हुए पक्के घर की आस में गुजर गईं। पर अब जाकर रनिया बाई की किस्मत रंग लाई। उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) से पक्का घर मंजूर हो गया है। देखते ही देखते घर तैयार हो गया और अब वे अपने परिवार के साथ इसी घर में खुशी-खुशी रहती हैं। दिहाड़ी मजदूरी कर अपना परिवार चलाने वाली रनिया बाई अपने कड़वे दिनों को याद करते हुए बताती हैं पहले वे परिवार के साथ झोपड़ी में रहती थीं।तेज बारिश होने पर झोपड़ी के छप्पर से कई जगह पानी टपकता था।पॉलीथिन की शीट से ढककर गृहस्थी का सामान बचाते थे।

बहुत ज्यादा बारिश होने पर झोपड़ी के गिरने का डर भी बना रहता था। कई बार छप्पर से सांप-बिच्छू गिरकर सबको डरा देते थे। तब वे सोचती थीं कि काश उनका भी पक्का घर होता। जानकारी मिली तो उन्होंने पीएम आवास योजना में आवेदन लगाया। पात्र होने पर उन्हें पक्का घर मिल गया। पक्के घर ने उन्हें सर्दी-गर्मी, बारिश, ओला-पाला की सभी परेशानियों से निजात दिला दी है। रनिया बाई उसे पक्का घर दिलाने के लिये प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार जताती हैं।

पर्यटन मंत्री लोधी 29 अगस्त को गोवा में पर्यटन मंत्रियों के सम्मेलन में करेंगे शिरकत

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। पर्यटन की समग्र प्रगति और विकास के लिये सभी राज्यों के साथ मिलकर कार्य करने के लिये केन्द्रिय पर्यटन मंत्रालय 29 अगस्त 2024 को गोवा में पश्चिमी तथा मध्यवर्ती राज्यों के पर्यटन मंत्रियों का सम्मेलन आयोजित कर रहा है। पर्यटन, संस्कृति, धर्मस्व एवं धार्मिक न्यास राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी इस सम्मेलन में शामिल होंगे। सम्मेलन में वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटक केन्द्रों के विकास, वैकल्पिक गंतव्यों के विकास, मार्केटिंग और संवर्धन, पर्यटन के क्षेत्र में कनेक्टिविटी, स्वच्छता, व्यवसाय करने की सुविधा और सुगमता में सुधार के साथ पर्यटन में निजी क्षेत्र के निवेश को आकर्षित करने संबंधी उत्कृष्ट कार्य पद्धतियों को साझा करने पर फोकस किया जायेगा। सम्मेलन में पूंजीगत निवेश के लिये राज्यों को विशेष सहायता योजना के अंतर्गत परियोजना प्रस्ताव तैयार करने के लिये राज्यों द्वारा किये जा रहे प्रयास, वर्तमान में प्रतिष्ठित गंतव्यों के विकल्प के रूप में राज्यों द्वारा तैयार किये जा रहे गंतव्य पर चर्चा होगी। इसके अतिरिक्त पर्यटन संवर्धन के लिये राज्यों द्वारा विकसित किये जा रहे नये विचारों और पहलों के साथ देखो अपना देश-पीपुल्स च्वाइस-2024 के प्रचार में किये जा रहे प्रयास पर विचार विमर्श होगा। राज्यों द्वारा निजी क्षेत्र को आकर्षित करने, व्यवसाय करने की सुगमता को बेहतर बनाने एवं आतिथ्य क्षेत्र को उद्योग का दर्जा प्रदान करने के लिये किए जा रहे सुधार एवं पहल तथा स्वच्छता और पर्यटक सुरक्षा में किये जा रहे सुधार और नवाचार जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किये जायेंगे।

गृहणी बनीं लखपति बिजनेस वुमन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। एक साधारण गृहणी, बिजनेस में ऐसे रम गई कि अब लोग उन्हें लखपति बिजनेस वुमन के रूप में जानते हैं। घर की चहार दीवारी ही उसका संसार था। दुनियादारी से बहुत ज्यादा सरोकारभी न था। हम भले-हमारा घर भला। पति के गुजर जाने के बाद बस यही दुनिया थी उनकी। पर अब ऐसा नहीं है। बात हो रही है देवास जिले के चिड़ावद गाँव की कल्याणी श्रीमती भावना शिवहरे की। आर्थिक तंगहाली से उबरने का मन बनाकर भावना अपनी किस्मत को बदलने का संकल्प लेकर गाँव के आजीविका मिशन के कृष्णा स्व-सहायता समूह की सदस्य बन गयीं। भावना की किस्मत बदलने लगी। अपने परिवार की दस महिलाओं को

जोड़कर उन्होंने एक समूह बनाया। समूह में भावना को सचिव बनाया गया। सभी महिलाओं ने सामूहिक अनुशासन दिखाया, तो भावना को ग्रामीण आजीविका मिशन से ऋण मिल गया। पहला ऋण 50 हजार रूपये मिला, तो घर की जमा पूंजी लगाकर भावना ने पहले से चल रहे एक रेस्टारेन्ट में निवेश किया। रेस्टारेन्ट चलाने में भाई ने मदद की। फिर दूसरा ऋण 20 हजार रूपये मिला, तो भावना ने अपने रेस्टॉरेन्ट को और भी बेहतर बना लिया। इसके बाद 75 हजार रूपये तीसरे ऋण के रूप में मिले, तो उसने एक राशन की दुकान शुरू कर ली। राशन की दुकान से भावना की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होने लगी। भावना बताती हैं कि उसने आजीविका मिशन से बैंक सखी समूह की बारीकियां समझीं और कुछ प्रशिक्षण भी लिये हैं। उसे सरकार की सभी योजनाओं का लाभ भी मिल रहा है। आयुष्मान कार्ड बनवाने के साथ भावना ने पीएम जनधन खाता खुलवाकर प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना में अपना बीमा भी करवाया है। स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद आजीविका मिशन से मिली राशन दुकान से भावना को करीब 10 हजार रुपये मासिक आय हो रही है। भाई की मदद से चल रहे रेस्टोरेन्ट से उन्हें महीने के 20 हजार रुपये मिल रहे हैं। भावना अब बकरी पालन व्यवसाय भी करना चाहती हैं, ताकि आर्थिक रूप से वह और मजबूत हो सके। साल में एक लाख रूपये से भी ज्यादा कमाने वाली भावना अब बेहद खुश हैं।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री सारंग ने दी बधाई

भोपाल। खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने आस्ट्रेलिया महाद्वीप की सबसे ऊँची माउंट कोसियुज्को पर तिरंगा लहरा कर भोपाल पहुँचने पर पर्वतारोही श्री भगवान सिंह कुशवाह को उनकी प्रशंसा कर बधाई एवं शुभकामनाएँ दी हैं। श्री कुशवाह ने 15 अगस्त के दिन वहाँ पर सर्वप्रथम पहुँचकर हर घर तिरंगा'' अभियान अंतर्गत राष्ट्रीय ध्वज लहराया और राष्ट्रीय गान गाकर देश और प्रदेश को गौरवान्वित किया। श्री कुशवाह खेल एवं युवा कल्याण विभाग की राज्य वॉटर स्पोर्ट अकादमी के कर्मचारी हैं। श्री कुशवाह माउंट एवरेस्ट फतह करने वाले पहले मध्यप्रदेश के पर्वतारोही भी हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने वर्ष 2023 में श्री कुशवाह को साहसी खेल में विक्रम अवार्ड से सम्मानित करते हुए ऊर्जा विभाग शासकीय सेवा में सहायक ग्रेड-3 के पद पर नियुक्ति प्रदान की है। श्री कुशवाह ने संचालक खेल एवं युवा कल्याण श्री रवि कुमार गुप्ता से सौजन्य भेंट की। इस पर श्री गुप्ता ने श्री कुशवाह का उत्साहवर्धन करते हुए उनकी इस उपलब्धि पर बधाई दी है। देश के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर देशभक्ति की भावना और उनके इस साहसपूर्ण कदम के लिये स्वयं श्री कुशवाह ने इस रोमांचक एडवेंचर सफर के बारे में जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि दुनिया में टॉप 7 चोटियाँ हैं, जिसमें आस्ट्रेलिया महाद्वीप की माउंट कोसियुज्को चोटी शामिल है। माउंट कोजियास्को चोटी की ऊँचाई 2228 मीटर है। इस चोटी पर चढ़ाई के दौरान -50 से -70 तक तापमान था। माउंट कोसियुज्को चोटी की चढ़ाई के लिये भारतीयों ने प्रतिभागिता की थी।

दिनांक 15 अगस्त, 2024 को मैंने बर्फ पर 8 किलोमीटर

बैतूल के मरीज शेकलाल को उपचार के लिये एयर एम्बुलेंस से भेजा भोपाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर शुरू की गई पीएमश्री निःशुल्क एयर एम्बुलेंस योजना में बैतूल के चकोला निवासी श्री शेकलाल हर्ले को सुबह 11.44 बजे बैतूल जिले से एयरलिफ्ट कर हमीदिया चिकित्सालय भोपाल में उपचार के लिये भर्ती कराया गया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में मरीजों को आपात स्थिति में तुरंत राहत प्रदान करने के उद्देश्य से निःशुल्क एयर एम्बुलेंस की सुविधा प्रारंभ की गई है। श्री हर्ले प्रदेश में पीएमश्री निःशुल्क एयर एम्बुलेंस योजना से लाभान्वित होने वाले 13वें मरीज है। बैतूल के पट्टन तहसील के ग्राम चकोला निवासी 51 वर्षीय शेकलाल हर्ले एक दिन पूर्व छज्जे पर प्लास्टर करते हुए गिर गए थे। गिरने से श्री हर्ले को स्पाइनल फैक्चर हो जाने के कारण ऑपरेशन की जटिलता को देखते हुए भोपाल हमीदिया चिकित्सालय में रेफर किया गया था। कलेक्टर श्री नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी के नेतृत्व में जिला प्रशासन द्वारा श्री हर्ले को एयर एम्बुलेंस से भेजने की तैयारी की गई। इससे समय रहते मरीज श्री शेकलाल को एयर लिफ्ट कर कम समय में उपचार के लिये भोपाल लाया गया। जहां वरिष्ठ चिकित्सकों की देखरेख में श्री शेकलाल का उपचार प्रारंभ हो गया है। श्री हर्ले के परिजन ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार मानते हुए कहा कि मरीजों के हित में चलाई गई एयर एम्बुलेंस योजना की सुविधा गरीबों की जिन्दगी के लिए रोशनी की किरण साबित हो रही है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उईके ने बताया कि बैतूल से भोपाल सामान्य रूप से 4 से 5 घंटे का समय लगता है। परंतु एयर एम्बुलेंस से यह दूरी मात्र 35 मिनट में पूरी हो जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ.यादव द्वारा इस सुविधा से एयर एम्बुलेंस अभी तक आर्थिक रूप से संपन्न मरीजों को ही मिल पाती थी। एयर एम्बुलेंस पर होने वाला व्यय राज्य शासन द्वारा उठाया जाता है।

संस्कृत भाषा के बिना आयुर्वेद की कल्पना भी संभव नहीं-आयुष मंत्री श्री परमार

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। आयुर्वेद भारत ही नहीं अपितु विश्व की प्राचीनतम विधा है। जीवन जीने की पद्धति है, जिसमें प्रकृति के प्रति कृतज्ञता के भाव का समावेश है। प्रकृति एवं मानव सहित समस्त चराचर के प्रति कृतज्ञता के भाव का प्रकटीकरण संस्कृत भाषा के माध्यम से भावानुकूल होता है। संस्कृत भाषा के बिना आयुर्वेद की कल्पना भी संभव नहीं है। भारत के दर्शन में कृतज्ञता का भाव है। किसी के भी कृत कार्यों से कृतज्ञ होकर उसके प्रति आभार व्यक्त करना भारत की संस्कृति, परम्परा और पहचान है। इस परम्परा का संरक्षण करने की आवश्यकता है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने बुधवार को भोपाल स्थित महर्षि पतंजलि संस्कृत संस्थान (संस्कृत भवनम्) के भरतनाट्यगृहम् में संस्कृत सप्ताह महोत्सव के उपलक्ष्य पर आयुर्वेद में संस्कृत भाषा की महत्ता विषय पर आयोजित संगोष्ठी के शुभारंभ के

अवसर पर कही। श्री परमार ने कहा कि भारत का पुरातन ज्ञान संस्कृत भाषा में ही है। भारतीय ज्ञान परम्परा में संस्कृत भाषा का महत्व परिलक्षित होता है। भारत के लोगों को भारतीय ज्ञान पर गर्व करने का भाव जागृत करना होगा, अपनी उपलब्धियों पर गर्व करने की आदत बनानी होगी। श्री परमार ने कहा कि भारत के ज्ञान के क्षेत्र में विश्वगुरु कहलाता था, पूर्वजों के उसी ज्ञान परम्परा का अनुसरण करना होगा। स्वतंत्रता की शताब्दी वर्ष 2047 तक भारत को विश्वमंच पर ज्ञान के क्षेत्र में पुनः सिरमौर बनाने के लिए समग्र ज्ञान की आवश्यकता है। इसके लिए भारतीय ज्ञान परम्परा को शोध एवं अनुसंधान के साथ युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में रखना होगा।

रोजाना जंगलों से हो रही पेडों की अवैध कटाई, जानबूझ कर वन अमला बना अनजान

विगड़ रहा पर्यावरण संतुलन, जंगल बन रहें सपाट मैदान

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। जंगल और पर्यावरण को बचाने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की ओर से बातें तो बहुत की जाती हैं, पर सरकार की कोशिशों की जमीनी हकीकत कुछ और ही है। जिले में पेडों की धडल्ले से कटाई की जा रही है, जिस पर विभाग का कोई ध्यान नहीं है। वनो का क्षेत्रफल लगातर घटता जा रहा है, वन क्षेत्र में अवैध अतिक्रमण चरम पर है। इसके साथ ही पेड़ो की अधाधुंध कटाई से जिले का पर्यावरण स्तर भी काफी प्रभावित हो रहा है। वन विभाग के जमीनी स्तर एवं विभागीय अधिकारी सब कुछ जान बूझ कर पूरी तरह से अनजान बने हुए हैं।

जिले के जंगलो मे हो रही अधाधुंध कटाई को देख कर सहज रूप से ही अनुमान लगाया जा सकता है कि जमीनी स्तर पर वन सुरक्षा समिति और बीट गार्ड अपनी जिम्मेदारी सही तरीके से नहीं निभा रहे हैं। जिसके चलते शहर से सटे जंगल में भी अब ठूंठ नजर आ रहे हैं। वन विभाग की निष्क्रियता का आलम यह है कि जंगल की निगरानी के लिए वन विभाग की ओर से तैनात किए गए डिप्टी रेंजर और बीट गार्ड को भी मामले की जानकारी होने पर कोई कार्यवाही नहीं की जाती और वनों से अवैध कटाई लगातार जारी है।

चुरहट बीट के अमिलहा में कटाई जारी - वन परिक्षेत्र चुरहट के बीट अमिलहा में रोजाना तेजी के साथ जंगलों की कटाई की जा रही है। जिससे जंगल में हरे.भरे पौधों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। पेड़ों की कटाई के कारण वन क्षेत्र कम होता जा रहा है। विगत कुछ वर्ष पूर्व सीधी के जंगल काफी हरे.भरे हुआ करते थें, लेकिन इस समय भी कई स्थलो पर सपाट मैदान नजर आ रहे हैं। बावजूद इसके जंगल की कटाई पर वन विभाग रोक लगाने में असमर्थ दिखाई दे रहा है।

बहुमूल्य पेड़ो की हो रही कटाई - जानकारो की माने तो सामान्य वन मंडल सीधी के बीट अमिलहा कक्ष क्रमांक आर -1166 आर 1167 में सागौन, सेंधा, तेंदू, हल्दू सहित अन्य पेड़ों की कटाई सर्वाधिक हो रही है। बेरोक.टोक कटाई के चलते वन माफिया लगातार सक्रिय हैं। बता दें कि सामान्य वन मंडल सीधी के वन परिक्षेत्र चुरहट के अंतर्गत सागौन के पेड़ बडी मात्रा में पाए जाते हैं। जिसकी लकड़ी फर्नीचर के लिए सबसे ज्यादा उपयोग की जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों की मानें तो वन विभाग के संरक्षण में लकड़ी माफिया पनप रहा है।

पौधरोपरण के लिए हर साल किए जाते हैं लाखों खर्च - जिले में पौधारोपण में लाखों रुपए खर्च कर पौधे रोपे जाते हैं, लेकिन उनकी देखरेख और सुरक्षा को लेकर ध्यान नहीं दिया जाता है। इसके अलावा जंगलों में खड़े पेडों की देखरेख वन विभाग द्वारा की जाए तो जंगल को काफी हद तक बचाया जा सकता है।

एनसीएल कर्मचारी के घर पर फायरिंग

मारपीट कर तोड़फोड़ की, विवाद में बीच-बचाव करने पर थे गुस्सा

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। एनसीएल जयंत परियोजना के आवासीय परिसर में बुधवार देर रात एनसीएल कर्मी के आवास पर कुछ लोगों ने हवाई फायरिंग कर दी।

जानकारी के अनुसार एनसीएल कर्मचारी प्रवीण कुमार ने रोज गार्डन में विवाद के दौरान बीच-बचाव किया था। इसके बाद एक पक्ष के लोग प्रवीण के घर पहुंचे। हवाई फायर कर मारपीट कर घर में तोड़फोड़ की।

ये है पूरा मामला: अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा ने बताया कि संजीव त्रिपाठी की पत्नी रोज गार्डन में जा रही थी। पार्क के सिक्योरिटी गार्ड से एंट्री पास मांगा, क्योंकि एनसीएल के कर्मचारियों को छोड़कर सभी से 10 रुपए टिकट के तौर पर लिए जाते हैं। इससे गार्ड और महिला के बीच बहस हो गई। महिला ये बात अपनी पति संजीव को बताई।

संजीव और मकुेश सिंह कुछ लोगों के साथ मौके पर पहुंचे और गार्ड से बदतमीजी की। वहां मौजूद कुछ अन्य कर्मचारियों ने विवाद को रोकने की कोशिश की। बीच-बचाव में प्रवीण कुमार भी मौजूद थे। इसके बाद संजीव-मुकेश अन्य लोगों के साथ प्रवीण के घर गए। हवाई फायर किया और मारपीट कर तोड़फोड़ की है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। आरोपियों पर कार्रवाई की जाएगी।

शुक्रवार को शहडोल आएंगे राज्यपाल

3 घंटे के कार्यक्रम में बैगा हितग्राहियों से संवाद के साथ करेंगे भोजन, आवास का भी करेंगे लोकार्पण

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। मध्यप्रदेश के राज्यपाल एक दिवसीय दौरे पर शुक्रवार को शहडोल आ रहे हैं। राज्यपाल मंगूभाई पटेल कोटमा में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। राज्यपाल शहडोल में लगभग 3 घंटे का समय बिताएंगे। इस दौरान राज्यपाल जनजातीय समुदाय के साथ भोज में भी शामिल होंगे।

कलेक्टर डॉक्टर केदार सिंह और एसपी कुमार प्रतीक ने 23 अगस्त को प्रस्तावित कार्यक्रम को देखते हुए जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम कोटमा के कौशल विकास केंद्र शहडोल परिसर में आयोजित कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए की लोगों के आने जाने, वाहन पार्किंग की व्यवस्था बेहतर रहे यह सुनिश्चित कराएं और आयोजित कार्यक्रम स्थल में बैरिकेडिंग भी कराएं।

बेहरमी से पीट-पीट की युवक की हत्या

दोनों हाथ और पैर तोड़कर सड़क पर फेंका, परिजनों का चक्काजाम, पुलिस ने संदिग्ध को हिरासत में लिया

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। सीधी जिले के मॉरिसन पब्लिक स्कूल के पास बुधवार को एक युवक घायल अवस्था में पड़ा हुआ मिला था। जिसके दोनों हाथ तोड़ दिए गए थे। दोनों पैर में भी चोट के निशान थे। जिसके चलते युवक को इलाज के लिए संजय गांधी अस्पताल रीवा में गंभीर हालत के कारण रेफर कर दिया गया था। जहां उसका उपचार चल रहा था। लेकिन गुरुवार के दिन उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई है। जानकारी मिलती ही गुस्साए परिजनों ने रीवा-सीधी सड़क मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। दोनों तरफ गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई। तो सैकड़ों लोग एकाएक मौके पर एकत्रित हो गए। उनकी मांग है कि जिसने यह हरकत की है, उसे तत्काल गिरफ्तार किया जाए। उसके घर में बुलडोजर की कार्रवाई की जाए।

मौके पर पहुंचे टीआई ने की समझाने की कोशिश: जहां जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी कोतवाली अभिषेक उपाध्याय मौके पर पहुंच गए हैं। जहां स्थिति को संभालने की और परिजनों को समझाने देने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। लेकिन परिजन मानने को तैयार नहीं हैं। अब तक मृतक का पोस्टमॉर्टम रीवा में नहीं हुआ है और उसकी बॉडी को लेकर अभी सीधी नहीं लाया जा सका है।

पिता बोले- बेटे को बेरहमी से पीटा: इस मामले को लेकर मृतक आशीष मौर्य के पिता नंदू मौर्य ने जानकारी देते हुए बताया है कि मेरे बेटे की बेरहमी से पीट-पीट कर हत्या की गई है। मेरे बेटे के दोनों हाथ तोड़ दिए गए हैं। लाठी और डंडे से पीट-पीट कर दोनों पैर की कटोरिया तोड़ दी गई हैं, पंजे तोड़ दिए गए हैं।

मरणासन्न अवस्था में उसे मॉरिसन पब्लिक स्कूल के पास बुधवार की सुबह 4 बजे फेंक दिया गया था। जहां लोगों को सुबह जानकारी लगी तो उन्होंने हमें सूचना दी और हम जिला अस्पताल ले गए। जहां से रीवा के लिए रेफर कर दिया गया था।

संदिग्ध को लिया हिरासत में: थाना प्रभारी जमोड़ी विशाल शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया है कि संदिग्ध आरोपी बग्गढ भुजवा को हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। हिरासत में लेने के बाद परिजन मान गए हैं और अंतिम संस्कार के लिए शव को सोन नदी घाट में ले गए हैं।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग की ली बैठक

स्वास्थ्य अमला समय पर अस्पताल आए, निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित रहने पर होगी कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर निप्र। अनूपपुर कलेक्टर ने आज जिला स्वास्थ्य विभाग की बैठक ली। कलेक्टर ने कहा कि जिला चिकित्सालय में पदस्थ स्वास्थ्य अमला समय पर अस्पताल में उपस्थिति रहे। औचक निरीक्षण में अनुपस्थित मिलने पर संबंधितों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी।

कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिले के स्वास्थ्य संस्थाओं और स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा करते हुए कार्यों की जानकारी ली। जिला चिकित्सालय के संबंध में कलेक्टर ने कहा कि स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाया जाए, जिससे समय पर मरीजों का उपचार, जांच और दवाइयां प्रदान हो, यह सभी जिम्मेदार सुनिश्चित करें।

उन्होंने जिला चिकित्सालय में पदस्थ अमले की जानकारी लेते हुए कहा कि सभी की समय पर उपस्थिति आवश्यक है। औचक निरीक्षण में अनुपस्थित मिलने पर संबंधितों के विरूद्ध कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अवैध क्लिनिक के संचालन पर रोक लगाने और कड़ी कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए।

बैठक में हर्षल पंचोली ने गर्भवती महिलाओं और हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पैरामीटर के अनुसार समय पर जांच सुनिश्चित करने और शत-प्रतिशत एएनसी का पंजीयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य अमले को सक्रिय रहकर मैदानी भ्रमण सुनिश्चित किया जाए। मातृ मृत्यु दर की चिंता करते हुए मैदानी स्वास्थ्य अमले को गर्भवती महिलाओं के सतत देखभाल करने और उन्हें स्वास्थ्य संबंधी उचित सलाह देने के निर्देश दिए।

प्राइवेट स्कूलों के फीस की फिर से होगी जांच

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से कहा- अभी भी कुछ स्कूल निर्धारित फीस से ज्यादा कर रहे वसूली, कार्रवाई करें

मीडिया ऑडीटर, शहडोल निप्र। शहडोल कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले के सभी प्राइवेट स्कूलों की फीस को फिर से जांच ने का आदेश दिया है। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित हो रही कुछ अशासकीय स्कूल, जिनकी निर्धारित फीस की जगह अधिक फीस लिए जाने की शिकायतें मिल रही हैं।

उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले में संचालित समस्त अशासकीय स्कूलों में लगने वाली फीस की जांच करें और यदि कोई स्कूल निर्धारित फीस से ज्यादा वसूली कर रहा है तो उनके खिलाफ तत्काल कार्रवाई करें। कलेक्टर के इस आदेश के बाद शिक्षा विभाग के अधिकारी एक बार फिर निजी स्कूलों की ओर से ली जाने वाली फीस की पड़ताल में जुट गए हैं।

बिना अनुमति के नहीं होने चाहिए बोर खनन: कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की भी समीक्षा की। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले में कोई भी बोर खुले न रहे। साथ ही खुले हुए बोर को बंद करने या ढकने का काम करें। उन्होंने निर्देश दिए कि जिले में बिना अनुमति के बोर न किए जाए और जितने भी बोर किए जाते हैं उनकी जानकारी रखें।

एमपीआरडीसी को लगाई फटकार: कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने कहा कि जिले में सड़क निर्माण की वजह से बरसात का पानी घरों में प्रवेश करने की शिकायतें मिल रही हैं। उन्होंने एमपी आरडीसी के अधिकारियों को निर्देश दिए कि सड़क निमार्ण की वजह से किसी भी घर में पानी न जाए इस बात का विशेष ध्यान दें। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां पर भी पानी भरने के स्थिति बनती हैं, उसे तत्काल ठीक कराएं और पानी निकासी के लिए नाली का निर्माण कराएं।

पत्थर खदान में डूबे मामा-भांजे, मौत

पहड़ीखेड़ा गांव में नहाने के दौरान हादसा

मीडिया ऑडीटर, पन्ना निप्र। पन्ना जिले के बृजपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पहाड़ीखेड़ा में पत्थर खदान में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई। दोनों मृतक रिश्ते में मामा-भांजे थे। गुरुवार को दोनों नहाने खदान गए थे। इसी दौरान गहरे पानी में जाने से दोनों डूब गए।

मामा सुरेश पाल पिता धीरापाल (22) अपने भांजे रोहित पाल पिता रमेश पाल (17) के साथ नहाने के बिचुआ में पत्थर खदान गया था। इस दौरान दोनों डूब गए। स्थानीय लोगों ने इसकी सूचना परिजनों को दी। मौके पर पुलिस भी पुहंची। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एनसीएल ब्लॉक बी खदान में हादसा

मोटर-पंप में दबने से मजदूर की मौत, बिना सेफ्टी उपकरणों के कर रहा था कार्य

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली निप्र। सिंगरौली में ब्लॉक-बी परियोजना की खदान में बुधवार शाम को हादसा हो गया। इसमें एक मजदूर की मौत हो गई। ऊपर से मजदूर पर भारी-भरकम मोटर पंप गिरने से मौत होना बताया जा रहा है।

घटनास्थल की हालत देखकर लोग भड़क उठे। लोगों का कहना था कि आखिर सेफ्टी उपकरणों के बिना क्यों कार्य कराया जा रहा था। वहीं मौके पर पहुंचे परियोजना के आला अधिकारियों और श्रमिक संगठनों के पदाधिकारियों ने बीच काफी देर बात चली और मृतक के परिजनों को 15 लाख की आर्थिक सहायता देने के आश्वासन दिया। तब मामला शांत हुआ।

जानकारी के अनुसार मृतक मजदूर ग्राम लोटान, पिपरा का निवासी है। 24 वर्षीय दिग्विजय सिंह वैश्य जो ब्लॉक-बी खदान के पंप नंबर-2 के संप एरिया (पानी से भरे तालाब) में तैरते पंटूल में मोटर पंप फिट करने उतारा गया था।

संप के बीच दिग्विजय तक करीब 3 से 5 टन के भारी-भरकम मोटर पंप को एक पीसी के बकेट में सीलिंग (लोहे की संकरी) से लटका कर पहुंचाया गया था। इसी बीच अचानक से सीलिंग टूट गई और सीलिंग पर ऊपर की ओर लटक रहा। भारी-भरकम मोटर पंप नीचे दिग्विजय पर जा गिरी। दबने से उसकी मौत हो गई।

मृतक मजदूर के परिजनों के साथ उसके रिश्तेदारों और क्षेत्र के लोगों की भीड़ मौके पर एकजुट हो गई। लोगों ने सेफ्टी की अनदेखी करने का आरोप संविदा फर्म मधुकॉर्न पर लगाया गया।

मृतक के परिजनों को आर्थिक सहायता तत्काल दिए जाने और एक परिजन को नौकरी दिए जाने की मांग पर अड़ गए। इसके बाद बड़ी मुश्किल से संविदा कंपनी के जिम्मेदार परिजनों की मांग पर आर्थिक सहायता राशि देने को राजी हुए, तब मामला शांत हुआ।

गोरबी चौकी प्रभारी भिपेंद्र पाठक ने जानकारी दी सीलिंग टूटने से मजदूर की मौत हुई है। मामले की जांच की जा रही है। गुरुवार को सुबह पंचनामा कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है।

एनसीएल की डीजीएमएस टीम भी मामले की जांच करने गुरुवार को ब्लॉक बी खदान में पहुंच चुकी है।

खाद्यान्न वितरण के लिए संशोधित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर निर्धारित

मीडिया ऑडीटर, सीधी निप्र। प्रभारी जिला आपूर्ति अधिकारी ने जानकारी देकर बताया कि मध्यप्रदेश शासन खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग मंत्रालय भोपाल के अर्द्धशासकीय पत्र 12 अगस्त 2024 द्वारा एनएफएसए 2023 अंतर्गत सम्मिलित पात्र परिवारों एवं प्रतिमाह वितरण खाद्यान्न के डाटा का मिलान हेतु मैपर्स रिपोर्ट की संशोधित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर निर्धारित की गई है जिसके अनुसार आवंटन माह 01 से 30 तारीख तक पात्र परिवारों को खाद्यान्न वितरण की समय-सीमा निर्धारित की गई है।

उन्होने बताया कि मैपर्स रिपोर्ट की संशोधित स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसिजर अनुसार खाद्यान्न का उचित मूल्य दुकानों पर प्रदाय एवं पात्र परिवारों को वितरण किया जाना है।

अगस्त 2024 का आंटित खाद्यान्न 16 अगस्त 2024 तक दुकानों पर प्रदाय एवं 31 अगस्त 2024 तक वितरण कराया जाये। सितम्बर एवं आगामी माहों में दुकानों पर खाद्यान्न का प्रदाय 01 तारीख तक एवं 01 से 30 तारीख तक वितरण कराया जाये।

Rajendra Tripathi, Advocate
Add:- Chamber No.4 District & Session Premises, Rewa (M.P.)
Mobile No. 7566255486

क्र.-07/24 दिनांक 22/08/2024

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मनोज कुशवाहा उम्र 42 वर्ष, पिता श्री बैजनाथ कुशवाहा, निवासी वार्ड नं.-02, बनिया तालाब, निपनिया, तहसील हुजूर, जिला रीवा (म0प्र0) भूमि खसरा नं.-950/1/2/8 रकवा 0.006 हे. अर्थात 16 x 40 = 640 sqft. स्थित ग्राम मौजा निपनिया, वार्ड नं.-2, पटवारी हल्का निपनिया, तहसील हुजूर नगर, जिला रीवा (म0प्र0) के भूमिस्वामी हैं। उपरोक्त भूमि को मनोज कुशवाहा तनय श्री बैजनाथ कुशवाहा ने श्री धीरेन्द्र कुशवाहा पिता श्री रामावतार कुशवाहा से जरिये विक्रय पत्र क्र. MP328492017A1377173 दिनांक 05/07/2017 के माध्यम से क्रय की गई थी। जिसकी मूल प्रति मुझसे कही खो/गुम गई है, जो कि बहुत खोजबीन करने के पश्चात नही मिल रही है, जिसके संबंध में मेरे द्वारा शपथ - पत्र निष्पादित कर उक्त संबंध में जानकारी दी गई है। उक्त भूमि को मनोज कुशवाहा द्वारा ज्ञानेन्द्र पटेल तनय भीमसेन पटेल, निवासी ग्राम हर्दी, तहसील गुढ, जिला रीवा (म.प्र.) को विक्रय करने का अनुबंध हुआ है।

ज्ञानेन्द्र पटेल तनय भीमसेन पटेल, निवासी ग्राम हर्दी, तहसील गुढ, जिला रीवा (म.प्र.) द्वारा उक्त भूमि को बंधक कर आधार हाउसिंग फाइनेन्स लिमिटेड शाखा रीवा के माध्यम से ऋण प्राप्त किया जा रहा है। जिसके उक्त विक्रय पत्र के मूल प्रति की आवश्यकता है। उपरोक्त भूमि को बंधक करने के संबंध में यदि किसी भी व्यक्ति, संस्था अथवा बैंक आदि को उपरोक्त प्रस्तावित लोन के संबंध में आपत्ति हो तो वह अपनी लिखित आपत्ति इस जाहिर सूचना के 07 दिन के अंदर मय दस्तावेज के मेरे कार्यालय में अथवा आधार हाउसिंग फाइनेन्स लिमिटेड शाखा रीवा पता.- तृतीय मित्रा हाईटस कॉलेज चौराहा रीवा (म.प्र.)में प्रस्तुत करें अन्यथा बाद में किसी भी प्रकार की आपत्ति मान्य नहीं होगी तथा भावी ऋणी को ऋण प्रदान कर दिया जायेगा।

भवदीय
राजेन्द्र त्रिपाठी एडवोकेट
जिला एवं संत्र न्यायालय रीवा (म.प्र.)

विचार

निर्यात और निवेश के समक्ष नई चुनौतियां

हालिया आंकड़ों के अनुसार भारत से वस्तुओं का निर्यात जुलाई 2024 में सालाना आधार पर 1.2 प्रतिशत घटकर 33.98 अरब डॉलर रहा। पिछले साल इसी महीने में निर्यात का मूल्य 34.39 अरब डॉलर था। जहां इस समय भारतीय निर्यातक बांग्लादेश के सियासी हालात को लेकर चिंतित हैं, वहीं वे चीन को किए जा रहे निर्यात में कमी से भी चिंतित हैं। साथ ही निर्यातकों को विदेशी बाजारों में कमजोर मांग और व्यापार में अन्य बाधाओं से जूझना पड़ रहा है। पिछले दिनों भारतीय निर्यात-आयात बैंक (एग्जिम बैंक) ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत के वस्तु निर्यात में वृद्धि जुलाई से सितंबर 2024 की तिमाही में घटकर 4 फीसदी रह सकती है। कहा गया है कि इस समय वैश्विक परिदृश्य विभिन्न आर्थिक और राजनीतिक अनिश्चितताओं से प्रभावित होने के कारण भारत के निर्यात पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। निस्संदेह, इन दिनों बांग्लादेश के राजनीतिक संकट, भयावह होते रूस-युक्रेन युद्ध, इस्त्राइल-ईरान संघर्ष और अमेरिका व जापान सहित दुनिया के कई देशों में मंदी की लहर के कारण भारत से निर्यात की रफ्तार और भारत में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की चुनौतियां बढ़ गई हैं। एक अगस्त से सरकार ने चीन सहित सीमावर्ती देशों से भारत में विनिर्माण परियोजनाओं से जुड़े टेक्नीशियनों के लिए नई वीजा व्यवस्था लागू कर दी है। वर्ष 2024-25 के आम बजट में भी इस परिप्रेक्ष्य में कारगर रणनीतियां दिखाई दे रही हैं। साथ ही वाणिज्य विभाग निर्यात प्रोत्साहन की दो महत्वपूर्ण योजनाओं को उनकी समाप्ति तिथि से आगे बढ़ने पर जोर दे रहा है। उल्लेखनीय है कि राजनीतिक अस्थिरता से भारत-बांग्लादेश व्यापार पर नया संकट खड़ा हो गया है। दक्षिण एशिया में बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा व्यापार साझेदार है तथा बांग्लादेश भारत का 8वां सबसे बड़ा निर्यात बाजार भी है। पिछले वर्ष 2023-24 में भारत ने बांग्लादेश को 11 अरब डॉलर मूल्य का निर्यात किया है। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से जून, 2024 की पहली तिमाही में जहां निर्यात धीमी रफ्तार से बढ़े हैं, वहीं आयात की रफ्तार अधिक रहने से विदेश व्यापार घाटे में वृद्धि हुई है। इन तीन महीनों में कुल निर्यात 200.33 अरब डॉलर मूल्य के रहे हैं, जिसमें वस्तु निर्यात 109.96 अरब डॉलर और सेवा निर्यात 90.37 अरब डॉलर मूल्य के हैं। जबकि कुल आयात 222.90 अरब डॉलर मूल्य के हैं। जिसमें वस्तु आयात 172.23 अरब डॉलर और सेवा आयात 50.67 अरब डॉलर मूल्य के हैं। चूंकि इस वित्त वर्ष में भारत द्वारा कुल निर्यात का लक्ष्य पिछले वर्ष के कुल 776 अरब डॉलर मूल्य के निर्यात से भी कुछ अधिक 800 अरब डॉलर की रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचाना सुनिश्चित किया गया है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि वैश्विक सुस्ती व बड़े देशों के बीच युद्ध की तनातनी से देश के एफडीआई परिदृश्य पर भी चुनौतियां बढ़ी हैं। भारत में एफडीआई का प्रवाह 2023-24 में 3.49 प्रतिशत घटकर 44.42 अरब डॉलर रह गया। इसका कारण सेवा, कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, ऑटो और फार्मा जैसे क्षेत्रों में निवेश का कम रहना है। 2022-23 के दौरान एफडीआई का प्रवाह 46.03 अरब डॉलर था। पिछले वर्ष कुल एफडीआई जिसमें इक्विटी प्रवाह, पुनर्निवेशित आय और अन्य पूंजी शामिल हैं-

मध्य प्रदेश की मोहन सरकार के दो निर्णयों की यूनिसेफ़ ने भी की सराहना

प्रवीण गुगनानी

पिछले दिनों में मप्र की मोहन यादव सरकार ने दो निर्णय लिए हैं और दोनों ही से वे अपार लोकप्रियता प्राप्त करने जा रहे हैं। प्रदेश की किशोरी छात्राओं हेतु लिए गए एक निर्णय की तो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चर्चा व प्रसंशा हो रही है। एक निर्णय की अंतर्राष्ट्रीय एक योजना जहां प्रदेश के किसानों हेतु शुभसमाचार है वहीं दूसरी योजना प्रदेश की स्कूली बालिकाओं के लिए प्रसन्न कर देने वाली है। बालिकाओं को निःशुल्क सैनिटरी पेड देने वाली इस योजना की प्रशंसा संयुक्त राष्ट्र संघ, के संगठन यूनिसेफ़ ने भी मुक्त कंठ से की है। देश के कुछ प्रदेशों में छात्राओं को निःशुल्क सैनिटरी नैपकिन दिये जाते रहे हैं किंतु इस संदर्भ में बालिकाओं को नगद राशि देने वाला प्रथम राज्य मप्र बन गया है।

इस प्रकार नगद राशि से बालिकाऐं अपनी पसंद व आवश्यकतानुसार सामग्री स्वयं क्रय सकेंगी। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव की सैनिटेशन एवं हाईजीन योजना को यूनिसेफ़ ने एक उत्कृष्ट योजना बताया है। यूनिसेफ़ ने एक्स (ट्विटर) पर अपने एकाउंट में लिखा कि यह एक अनूठा नवाचार है और प्रसंशा करते हुए इस योजना को शुभकामनाएँ दे है। डॉ. मोहन यादव ने भी अपने एक्स अकाउंट पर इस योजना की प्रसंशा करने हेतु धन्यवाद देते हुए कहा है- मध्य प्रदेश के किशोरों और बच्चों के लिए काम करने की हमारी प्रतिबद्धता को विश्व स्तर पर मान्यता देने के हार्दिक धन्यवाद। विगत सप्ताह मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छात्राओं के सम्मान व उनसे संवाद के एक कार्यक्रम में समग्र शिक्षा अभियान के अंर्तगत प्रदेश की उन्नीस लाख छात्राओं के खाते में सत्तावन करोड़ अट्ठारह लाख रू. की राशि सैनिटरी नैपकिन हेतु ट्रांसफ़र कर दी थी। यह राशि कक्षा सातवीं से बारहवीं तक की छात्राओं को दी जाएगी जिससे वे स्वयं नैपकिन क्रय कर सकेंगी। इस योजना से उन्हें एक वर्ष हेतु तीन सौ रु. मिलेंगे। इस योजना के अंर्तगत समग्र शिक्षा अभियान में विद्यालयों व महाविद्यालयों की छात्राओं को मासिक धर्म के समय स्वच्छता की महत्व और महत्व को भी बताया जाना है। प्रदेश में पूर्व से ही महिला एवं बाल विकास की एक उदिता योजना भी कार्यरत है जिसमें अट्ठारह से उन पचास आयु वर्ग की महिलाओं आंगनवाड़ी के कार्यकर्ताओं द्वारा लाभ दिया जाता है। चर्चा में आई कृषक व श्रीअन्न आधारित दूसरी योजना भी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय होने जा रही है। मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश के किसानों हेतु रानी दुर्गावती श्रीअन्न प्रोत्साहन योजना लागू की है। कृषक जगत हेतु महत्वपूर्ण इस योजना में श्रीअन्न जैसे कोदो, कुटकी, रागी, ज्वार, बाजरा, कंगनी, सांवा आदि को उपजाने वाले कृषक बंधुओं को प्रति किलो 10 रुपये दिए जाएंगे। कृषकों को दस रू. प्रति किलोग्राम दस रुपये देने की योजना जहां देश के लिए बड़ी मात्रा में श्रीअन्न उपजाने हेतु प्रेरणा व आर्थिक संबल देगी वहीं कृषकों, विशेषत: जनजातीय कृषकों हेतु वरदान सिद्ध हो सकती है। हमारे प्रदेश के जनजातीय पूर्व से ही इन मोटे अनाजों को उपजाते व खाते रहें हैं किंतु अब इस योजना से वे श्रीअन्न का उत्पादन बढ़ायेंगे। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भारत की पहल पर वर्ष 2023 को श्रीअन्न वर्ष घोषित किया था। प्रधानमंत्री जी, नरेंद्र मोदी भी श्रीअन्न को अपने भाषणों व कथनों में स्थान देते रहते हैं जिससे देश में मोटा अनाज खाने का एक सुदृढ़ वातावरण बन गया है। इस स्थिति में इन अनाजों हेतु बाज़ार बढ़ना ही है। अब इस योजना से मप्र के कृषक विशेषत: जनजातीय कृषक विषे तौर पर लाभान्वित होंगे। कृषकों को उनकी प्रोत्साहन राशि सीधे उनके खाते में अंतरित की जाएगी। ये अनाज प्रमुख रूप से मंडला, डिंडोरी, बालाघाट, शहडोल, अनूपपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, सीधी और सिंगरौली जैसे जनजातीय बहुल जिलों में उगाए जाते हैं। प्रदेश में मोटे अनाजों के उत्पादन, प्रसंस्करण और विपणन पर केंद्रित एक सम्मेलन का आयोजन भी पूर्व में हो चुका है। प्रदेश के डिंडोरी ज़िले में श्रीअन्न अनुसंधान संस्थान केंद्र के निर्माण की भी घोषणा हो चुकी है। यद्दपि वर्तमान में मप्र, देश के मोटे अनाज के उत्पादन में केवल 3.5 प्रतिशत का योगदान देता है वहीं राजस्थान में देश का 33 प्रतिशत व कर्नाटक में 23 प्रतिशत रकबे में इसकी कृषि की जाती है। मोटे अनाज स्वास्थ्य की दृष्टि से अत्यधिक उपयोगी व लाभप्रद होते हैं। इनमें खनिज, मिनरल्स व प्रोटीन्स की मात्रा अत्यधिक होती है। इन सभी गुणों के कारण श्रीअन्न को कई बीमारियों के निदान हेतु भी उपयोग किया जाने लगा है।

वर्तमान समय में मप्र में छः लाख बीस हजार हेक्टेयर भूमि पर मोटा अनाज उत्पादित किया जा रहा है जबकि वर्ष 2021-22 में यह पांच लाख पचपन हजार हेक्टेयर पर ही श्रीअन्न उपजाया जाता था। मप्र देश में मोटे अनाजों के उत्पादन में पाँचवें न. पर है। वर्ष 2023-24 में प्रदेश में 12.68 लाख टन मोटे अनाजों का उत्पादन हुआ, जो 2019-20 में 8.96 लाख टन था। प्रदेश में सबसे अधिक लगभग 60 प्रतिशत बाजरा उगाया जा रहा है। प्रदेश के कृषकों को दस रुपये प्रति किलोग्राम की प्रोत्साहन राशि व शालेय किशोरियों को सैनिटरी नैपकिन देने की योजना से निश्चित ही मप्र की मोहन सरकार देश भर में अग्रणीं होने जा रही है।

* मप्र के महाकोशल के मंडला, डिंडोरी, बालाघाट आदि जिलों में श्रीअन्न का ज्यादा उत्पादन होता है।

* उत्पादन क्षेत्र नहीं बढ़ने की बड़ी वजह यह भी है कि प्रदेश में इसकी बड़ी खाद्य प्रसंस्करण इकाई नहीं हैं।

* देशभर में कुल खाद्यान्न उत्पादन के 10 प्रतिशत हिस्से में मोटा अनाज उगाया जा रहा है।

* राजस्थान में सर्वाधिक 33 और कर्नाटक में कुल खाद्यान्न 23 प्रतिशत क्षेत्र में श्रीअन्न का उत्पादन किया मप्र के महाकोशल के मंडला, डिंडोरी, बालाघाट आदि जिलों में श्रीअन्न का ज्यादा उत्पादन होता है।

* उत्पादन क्षेत्र नहीं बढ़ने की बड़ी वजह यह भी है कि प्रदेश में इसकी बड़ी खाद्य प्रसंस्करण इकाई नहीं हैं।

* देशभर में कुल खाद्यान्न उत्पादन के 10 प्रतिशत हिस्से में मोटा अनाज उगाया जा रहा है।

*राजस्थान में सर्वाधिक 33 और कर्नाटक में कुल खाद्यान्न 23 प्रतिशत क्षेत्र में श्रीअन्न का उत्पादन किया जा रहा है। ऐसी ही प्रोत्साहन योजनाओं व कृषकोंको मिल रही नियोजित मार्केटिंग की योजनाओं व अच्छे मूल्यों के प्राप्त होने के चलते ही मप्र में जहां वर्ष 2019-20 में आठ लाख छ्यानवे हज़ार मेट्रिक टन का उत्पादन होता था वहीं 2023-24 में मोटे अनाज का यह उत्पादन बारह लाख अड़सठ हज़ार टन का हो गया है।

सवालों के तीर से ढेर चुनावी वीर

शमीम शर्मा

एक हरियाणवी ताऊ किसी गांव से भैंस खरीद लाया। पैदल चलते-चलते दोपहर हो गई। थक कर चूर हुआ तो एक शीशम के पेड़ के नीचे भैंस बांध दी। वो घर से चूरमा लेकर चला था अर झोले से निकाल कर उसे खाने लगा। इतने में खेत में धान रोपाई कर रही 6-7 औरतें वहां आ गईं और ताऊ से सवाल करने लगीं। एक लुगाई = ताऊ भैंस लिआया? ताऊ = हां। दूसरी = कितणे की ल्याया? ताऊ = पूरे चालीस की। तीसरी = कै दांती सै? ताऊ = दो। चौथी = पूंछड़ मैं सफेद बाल सैं? ताऊ = सैं। पांचवीं = खारकी सै अक दूजन? ताऊ = दूजन। छठी = कुणसी नसल की सै? ताऊ = मुर्रा। उनके सवालों से थके-हारे ताऊ का पारा चढ़ लिया था क्योंकि चूरमा भी ढंग से नहीं खाने दिया। फेर सातवीं बोल्ली = धिणे (गर्भवती) हो री सै के? ताऊ दीदे काढते होये बोल्या = क्यूं तन्नै इसका काटड़ा लेणा है के? ऐसे ही सैकड़ों आड़े-तिरछे सवालों ने नेताओं को घायल कर रखा है। हरियाणा में चुनावी बिगुल बज गया और वो भी इतना अचानक जैसे बहती हुई कश्ती अचानक भंवर में फंस गई हो। जिन्हें अपने ही घर के वोट मिलने का भरोसा नहीं है, उनके दिमाग में भी टिकट का कीड़ा कुलबुलाने लग गया है। हाथ जोड़ने का दौर जारी। पके हुए नेताओं में शुरू हो गई है उथल-पुथल। टिकट के बंटवारे तक नेताओं की धौंस-धमकी चलेगी। और उसके बाद बिन पैंदी के लोटे की तरह नेताओं का गुड़ना शुरू।

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक

ललित गर्ग

भारतीय बच्चों में बढ़ रही हिंसक प्रवृत्ति चिन्ताजनक है। पिछले कुछ समय से स्कूली बच्चों में बढ़ती हिंसा की प्रवृत्ति निश्चित रूप से डरावनी एवं खौफनाक है। चिंता का बड़ा कारण इसलिए भी है क्योंकि जिस उम्र में बच्चों के मानसिक और सामाजिक विकास की नींव रखी जाती है, उसी उम्र में कई बच्चों में आक्रामकता घर करने लगी है और उनका व्यवहार हिंसक होता जा रहा है। जिस उम्र में बच्चों को पढ़ाई-लिखाई और खेलकूद में व्यस्त रहना चाहिए, उसमें उनमें बढ़ती आक्रामकता, हिंसा एवं क्रूरता एक अस्वाभाविक और परेशान करने वाली बात है। कई घटनाओं में स्कूल में पढ़ने वाले किसी बच्चे ने अपने सहपाठी पर चाकू या किसी घातक हथियार से हमला कर दिया और उसकी जान ले ली। अमेरिका की तर्ज पर भारत के बच्चों में हिंसक मानसिकता का पनपना हमारी शिक्षा, पारिवारिक एवं सामाजिक संरचना पर कई सवाल खड़े करती है। यह दुष्प्रवृत्ति बच्चों के शैक्षणिक प्रदर्शन पर तो नकारात्मक प्रभाव डाल ही रही है, इसे भविष्य में समाज की शांति के लिए बड़ा खतरा भी मानना चाहिए। राजस्थान के उदयपुर के स्कूल में दो छात्रों के आपसी विवाद में चाकू मारने से एक छात्र की मौत भी बच्चों में पनप रहे इसी हिंसक बर्ताव का घिनौना एवं घातक रूप है। बड़ा सवाल है कि जिन वजहों से बच्चों के भीतर आक्रामकता एवं हिंसा पैदा हो रही है, उससे निपटने के लिए क्या किया जा रहा है! पाठ्यक्रमों का स्वरूप, पढ़ाई-लिखाई के तौर-तरीके, बच्चों के साथ घर से लेकर स्कूलों में हो रहा व्यवहार, उनकी रोजमर्रा की गतिविधियों का दायरा, संगति, सोशल मीडिया या टीवी से लेकर उसकी सोच-समझ को प्रभावित

करने वाले अन्य कारकों से तैयार होने वाली उनकी मन:स्थितियों के बारे में सरकार, समाजकर्मी एवं अभिभावक क्या समाधान खोज रहे हैं। बच्चों के व्यवहार और उनके भीतर घर करती प्रवृत्तियों पर मनोवैज्ञानिक पहलू से विचार किए बिना समस्या को कैसे दूर किया जा सकेगा? बच्चों के बस्ते की औचक जांच की व्यवस्था की अपनी अहमियत हो सकती है। मगर जरूरत इस बात की है कि बच्चों के भीतर बढ़ती हिंसा और आक्रामकता के कारणों को दूर करने को लेकर गंभीर काम किया जाए। उदयपुर की घटना के पूरे मामले की पुलिस अपने तरीके से जांच करेगी, लेकिन किशोर अवस्था में ऐसी घटना को अंजाम देने के पीछे बच्चे की मानसिकता का पता लगाना भी ज्यादा जरूरी है। तहकीकात स्कूल की व्यवस्थाओं की भी होनी चाहिए कि आखिर बच्चा स्कूल में हथियार लेकर कैसे आ गया? इसमें दो राय नहीं कि किशोरवय में राह भटकने का खतरा ज्यादा रहता है। उम्र के इस पड़ाव पर उनको सही राह दिखाने की जिम्मेदारी परिजन और शिक्षक की ही होती है। आज दोनों ही कहीं न कहीं अपनी जिम्मेदारी से दूर होते नजर आ रहे हैं। स्कूल में केवल किताबी ज्ञान पर ज्यादा जोर दिया जा रहा है। वहीं अर्थप्रधान दुनिया में माता-पिता के पास बच्चों के साथ बिताने के लिए समय ही नहीं बच पा रहा। 'मन जो चाहे वही करो' की मानसिकता वहां पनपती है जहां इंसानी रिश्तों के मूल्य समाप्त हो चुके होते हैं, जहां व्यक्तिवादी व्यवस्था में बच्चे बड़े होते-होते स्वछन्द हो जाते हैं। 'मूड ठीक नहीं' की स्थिति में घटना सिर्फ घटना होती है, वह न सुख देती है और न दु:ख। ऐसी स्थिति में बच्चे अपनी अनंत शक्तियों को बौना बना देता है। यह दकियानूसी ढंग है भीतर की अस्तव्यस्तता को प्रकट करने का। पारिवारिक एवं सामाजिक उदासीनता एवं संवादहीनता से ऐसे बच्चों के पास सही जीने का शिष्ट एवं अहिंसक सलीका नहीं होता। वक्त की पहचान नहीं होती। ऐसे बच्चों में मान-मर्यादा, शिष्टाचार, संबंधों की आत्मीयता, शांतिपूर्ण सहजीवन आदि का कोई खास ख्याल नहीं रहता। भौतिक सुख-सुविधाएं ही जीवन का अंतिम लक्ष्य बन जाता है। भारतीय बच्चों में इस तरह का एकाकीपन उनमें गहरी हताशा, तीव्र आक्रोश और विषैले प्रतिशोध का भाव भर रहा है। वे मानसिक तौर पर बीमार बन रहे हैं और अपने पास उपलब्ध खतरनाक एवं घातक हथियारों का इस्तेमाल कर हत्याकांड कर बैठते हैं। शिक्षकों और परिजनों से संवादहीनता के चलते बच्चों ने मोबाइल फोन और सोशल मीडिया को संवाद का जरिया बना लिया है। कई बार टी.वी. पर हिंसक कार्यक्रम देखने आदि से बच्चों में हिंसक व्यवहार बढ़ जाता है। घर में लगातार बंदूकें, चाकू आदि देखते रहने से भी बच्चों का व्यवहार हिंसक हो जाता है। वैसे भी अगर बच्चों को किसी भी बात के लिए मना नहीं करेंगें, टोकेंगें नहीं तो उन्हें अच्छे-बुरे की पहचान कैसे होगी। एक ऑनलाइन सर्वे में माता-पिता ने कहा था कि बच्चों को गलत काम की सजा भी मिलनी चाहिए, वरना उनके मन में किसी भी बात के लिए डर नहीं रहेगा और हो सकता है वे ऐसे अपराधों को भी अंजाम देने लगें, जिनके परिणामों के बारे में उन्हें पता नहीं। स्कूली बच्चों में पिछले कुछ समय से हिंसक प्रवृत्ति तेजी से बढ़ रही है, जो समाज के लिए खतरे की घंटी से कम नहीं है। मनोविज्ञानी यह मानते हैं कि मोबाइल पर पबजी जैसे खतरनाक गेम और वेब सीरीज बच्चों को हिंसक बना रही है। लेकिन, इसके पीछे न सिर्फ स्कूल का वातावरण, बल्कि लाड-प्यार में अंधे अभिभावकों का रवैया भी कम जिम्मेदार नहीं है। बच्चों में हिंसक व्यवहार के संकेत, जैसे गलत भाषा का प्रयोग करना, समझाने पर भी गुस्सा करना, कोई भी बात समझाने पर चीजें फैंकने लगना, मां-बाप को ही मारने दौडना, लोगों के बारे में गलत बोलना, गलत आदतों में पडना, भाई-बहन के लिए स्नेह न रखना, लड़ाकू प्रवृत्ति का होना, हमेशा उदास रहना, संवेदनहीन और चिड़चिड़े रहना, बार-बार जोश में आना आपको नजर आ सकते हैं। एकल परिवारों में माता-पिता इतने व्यस्त होते हैं कि उनके पास बच्चों से बात करने का ज्यादा समय नहीं होता। वे अक्सर इस बात पर भी नजर नहीं रख पाते कि बच्चे क्या कर रहे हैं, क्या खेल रहे हैं, उनके दोस्त कौन-कौन से हैं। दोस्त उन्हें चिढ़ाते भी हैं कि अरे! तुम्हारे माता-पिता कैसे हैं, जो तुम्हें ऑनलाइन खेल भी नहीं खेलने देते। इससे बच्चों में हीनता और अपने घर वालों के प्रति नफरत का भाव पैदा होता है, जो अपराध के रूप में बाहर निकलता है। फिजिकल, ओरल या सैक्सुअल रूप में गलत व्यवहार, घरेलू वातावरण न मिलना, माता-पिता द्वारा बच्चों की अनदेखी, दर्दनाक घटना होने या फिर स्ट्रैस होना, बच्चों को धमकाना, फैमिली प्रॉब्लम, नशीली चीजों का सेवन, शराब और अन्य गलत चीजों के सेवन से बच्चों में आक्रामकता बढ़ सकती है और वे हिंसक हो सकते हैं।

हेडिंग/इंडोर जिम छोटा होता होगा, मेरी इच्छा तो यहां इंडोर स्टेडियम बनाने की है: स्वास्थ्य मंत्री

हेडिंग/इस दंगल से मेरा पुराना नाता है, मैने बड़ा बाजार के दंगल में पहलवानी भी किया है

मीडिया ऑडीटर, चिरमिरी/एमसीबी निप्र। ख़ज़लैया के पावन अवसर पर चिरमिरी बड़ा बाजार में आयोजित कोरिया केशरी दंगल में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ पूर्व मंत्री व बैकुंठपुर विधायक भैयालाल राजवाड़े सहित एमसीबी भाजपा जिलाध्यक्ष अनिल केशवानी शामिल हुए। दंगल के देव की पूजा मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल ने धूपबत्ती दिखाकर की, तत्पश्चात बड़ा बाजार दुर्गा पंडाल समिति के कार्यकर्ताओं ने मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री सहित मंचासीन अतिथियों का स्वागत किया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने पहलवानों से मुलाकात की। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल उपस्थित दर्शकों को संबोधित करते हुए कहा कि बड़ा बाजार के दंगल से मेरा पुराना नाता है। मैं पहलवानी भी कर चुका हूं और जीता भी हूं। आगे उन्होंने कहा कि राजधानी में एक बैठक थी लेकिन मैने मुख्यमंत्री जी को बताया कि 65 सालों से चिरमिरी में दंगल हो रहा है वहां मुझे शामिल होना है तो

मुख्यमंत्री जी ने कहा आप जरूर जाए और इस आयोजन का बधाई संदेश भी दे।

ज्ञात हो कि लगभग 65 सालों से आयोजित इस दंगल कार्यक्रम के मंच से स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने क्षेत्र की जनता से अपील किया कि क्षेत्र के विकास के लिए आप लोग सुझाव दे और मै उसे हर कीमत पर पूरा करने का प्रयास करूंगा वही क्षेत्र के विकास में मील का पत्थर साबित होने वाले कई कार्य योजनाओं पर अपने विचार रखे। चिरमिरी के स्थायित्व के लिए रेल्वे की बड़ी कार्ययोजना, नवीन रेल लाइन के विषय में बोलते हुए कहा कि 241 करोड़ की स्वीकृति राज्य सरकार से हो चुकी है और भू अर्जन का काम चल रहा है आने वाले तीन से चार माह में लोगों को नवीन रेल लाइन बिछने काम होता दिखेगा तो वहीं जिला अस्पताल गोदरीपारा के लाल बहादुर स्टेडियम में चिन्हित हो चुका है और एक ट्रामा सेंटर की भी स्थापना की जाएगी। पोड़ी चिरमिरी में उद्यानिकी कॉलेज के साथ साथ कृषि से संबंधित कृषि विज्ञान केंद्र की भी स्थापना होगी। उन्होंने आगे कहा कि एजुकेशन हब के रूप में विकसित करने के लिए पॉलिटेक्निक कॉलेज की महती आवश्यकता है और उसकी भी अनुमति भारत सरकार से मिल चुकी है जो पोड़ी चिरमिरी में स्थापित होगा। इसके साथ ही चिरमिरी की बड़ी समस्या पीने योग्य पानी की है, के संबंध में बोलते हुए कहा कि हमने आने वाले 50 साल तक पानी की समस्या से चिरमिरी को निजात दिलाने का हल खोज लिए है इसके लिए 153 करोड़ की अमृत जल मिशन योजना का टेंडर लग चुका है।

नगरीय क्षेत्र के विभिन्न वार्डों के विकास के लिए 07 माह के कार्यकाल में 14 करोड़ रुपए की स्वीकृति हुई है।

चिरमिरी मनेंद्रगढ़ की दूरी को कम करने के लिए डबल लाइन सड़क जो छूटा हुआ था उसके लिए 40 करोड़ रुपए की स्वीकृति हो चुकी है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने क्षेत्र की जनता को विश्वास दिलाते हुए आगे कहा कि मैने जो - जो वायदे किए है सब को पूरा करूंगा। इसी दौरान बड़ा बाजार दुर्गा पूजा पंडाल के अध्यक्ष की मांग, इंडोर जिम पर कहा कि ये छोटा होगा, मेरी इच्छा तो यहां इंडोर स्टेडियम बनाने की है और आने वाले समय में दंगल मैट पर हो इस तरह की कार्ययोजना पर काम किया जाएगा। उक्त कार्यक्रम में स्वास्थ्य मंत्री के साथ बैकुंठपुर विधायक भैयालाल राजवाड़े, जिलाध्यक्ष अनिल केशवानी, बड़ा बाजार दुर्गा पूजा व कोरिया केशरी दंगल के कार्यकर्ता, कई राज्यों के पहलवान,पुलिस प्रशासन, भाजपा पदाधिकारी, कार्यकर्ता सहित भारी संख्या में दंगल प्रेमी उपस्थित रहे।

समुदाय के स्वच्छता व्यवहार में परिवर्तन से बीमारियों में आ रही कमी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशन में एवं परियोजना निदेशक नितेश उपाध्याय के मार्गदर्शन में अब गांव की गलियां और घरों से निकलने वाले सूखे कचरे को स्वच्छाग्रहियों के द्वारा साप्ताहिक डोर टू डोर संग्रहण कर सेग्रिकेशन सेड में ले जाकर पृथक्करण किया जा रहा है।

स्वच्छ हो रहे चौक चौराहे: नियमित साप्ताहिक अपशिष्ट संग्रहण से जहां एक ओर घरों का कचरा अब सड़कों पर नहीं फेका जा रहा है। जिससे गांव की गलियां और चौक चौराहे पहले से स्वच्छ नजर आने लगा है जिसका मुख्य कारण ग्रामीणों के बदलते व्यवहार है और स्वच्छाग्रहियों का श्रम है।

अतिरिक्त आय का सृजन: कचरा अब आय का भी स्रोत बन रहा है। सेग्रिकेशन सेड में संग्रहित कचरे से अब अतिरिक्त आय का जरिया बन गया है। स्वच्छाग्रहियों के द्वारा एकत्रित प्लास्टिक लोहा, टीना, कागज़ के गत्ते, को कबाड़ी वाले को विक्रय कर अतिरिक्त आय सृजित कर रही है वही दूसरी ओर यूजर चार्ज और ग्राम पंचायत के द्वारा स्वच्छता शुल्क के रूप में मासिक पारिश्रमिक प्रदाय की जाती है।

बीमारियों के प्रादुर्भाव में आई कमी: ग्राम पंचायत में ग्रामीणों के मध्य जागरूकता हेतु स्वच्छता रैली, स्वच्छता संवाद के द्वारा स्वयं जागरूक होने से घरेलू गंदे पानी का उचित प्रबंधन, किचिन गार्डन या सोखता गढ्ढा बनाकर किया जा रहा है। घर आंगन के आसपास अपशिष्ट जमा नहीं है एवं स्वच्छ हाथ से भोजन बनाया एवं ग्रहण किया जा रहा। स्वच्छ पानी का उपयोग किया जा रहा जिससे वर्षा ऋतु में होने वाली जल जनित बीमारियों में भी कमी आई है।

29 अगस्त को मनेंद्रगढ़ में उद्योगपतियों के लिए कार्यशाला आयोजित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, बैकुंठपुर जिला कोरिया व्दारा राज्य के उद्योगों को 16 विभागों के माध्यम से मिलने वाली 90 सेवाओं को सिंगल विण्डो सिस्टम 2.0 के माध्यम से उपलब्ध कराने हेतु इस व्यवस्था का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा किया गया है।

इस व्यवस्था के समुचित प्रचार-प्रसार के लिये जिले के प्रमुख उद्योगों और औद्योगिक संगठनों की 29 अगस्त 2024 गुरूवार को जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ के सभाकक्ष में सुबह 11:00 बजे से कार्यशाला आयोजित की जाएगी।

जिसमें जिले के समस्त उद्योगपतियों और व्यवसायियों से अनुरोध किया गया है कि वे इस कार्यशाला में अनिवार्य रुप से भाग लेना सुनिश्चित करें।

स्वामी आत्मानंद स्कूल की बिल्डिंग में फैला करंट

पंखे से निकली थी चिंगारी, स्कूल को कराया गया बंद, सुधार कार्य में लगी टीम

मीडिया ऑडीटर, दुर्ग एजेंसी। दुर्ग जिले के तीतुरडी स्थित स्वामी आत्मानंद स्कूल की पूरी बिल्डिंग में बुधवार को करंट फैल गया। अचानक क्लास में लगे पंखे से चिंगारी निकली, तो एक बच्चे ने बताया कि, दीवार में करंट है। इसके बाद सभी बच्चों को स्कूल बिल्डिंग से बाहर मैदान में निकाल दिया गया। स्कूल को बंद कर पीडब्ल्यूडी ई एंड एम की टीम सुधार कार्य में लगी है।

जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने बताया कि, बुधवार दोपहर तीतुरडी स्वामी आत्मानंद स्कूल में करंट फैलने की सूचना मिली थी। प्रिंसिपल प्रेमलता तिवारी ने बताया कि क्लास-रूम में लगे पंखे में स्पार्किंग होने से चिंगारी निकलने लगी। किसी ने यह भी कहा कि, दीवार में सीपेज की वजह से करंट

आ रहा है।

आज बंद रखा गया स्कूल: इसके बाद प्रिंसिपल ने स्कूल के बच्चों को बिल्डिंग से बाहर निकालकर छुट्टी दे दी। बिजली मैकेनिक को बुलवाकर दिखवाया गया। उसने करंट की समस्या को दूर कर दिया। इसके बाद भी भविष्य में कोई दिक्कत ना हो इसको देखते हुए गुरुवार को स्कूल बंद रखा गया है। पीडब्ल्यूडी ई एंड एम विभाग से इंजीनियर्स की टीम पहुंची है। वो पूरे इलेक्ट्रिक सिस्टम का सुधार कार्य कर रही है।

स्कूल में पढ़ते हैं 150 से अधिक बच्चे: जिस स्मामी आत्मानंद स्कूल में करंट फैलने की घटना हुई है, वहां 150 बच्चे पढ़ाई करते हैं। जिस क्लास रूम के पंखे से चिंगारी निकली उस समय उसमें 40 बच्चे मौजूद थे। हालांकि टीचर की सतर्कता के चलते सभी बच्चों को सुरक्षित स्कूल भवन से बाहर मैदान में लाया गया। किसी भी तरह की कोई जनहानि नहीं हुई है।

बच्चों को स्कूल भेजने से परिजन घबराए: जिस बिल्डिंग में स्कूल लग रहा है, वो कई साल पुरानी है। उसकी दीवारों में बारिश का पानी काफी सीपेज मार रहा था। निर्माण एजेंसी पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर इसकी मरम्मत पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। करंट फैलने की घटना के बाद से परिजन अपने बच्चों को स्कूल भेजने से घबरा रहे हैं। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा ने कहा कि वो घबराएं नहीं। समस्या को सुधार लिया गया है।

जिले में शराब की दुकानों से खाली कार्टन और शीशियों की बिक्री के लिए निविदाएं आमंत्रित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड के कार्यालय द्वारा एमसीबी जिले में संचालित 4 देशी, 5 देशी कम्पोजिट और 9 विदेशी शराब दुकानों में वित्तीय वर्ष 2024-25 को 1 अप्रैल 2024 से 31 मार्च 2025 की अवधि के दौरान संग्रहित खाली कार्टन (पुट्ठा) और खाली शीशियों की बिक्री के लिए निविदाएं आमंत्रित की जा रही हैं। इन खाली कार्टन की बिक्री प्रति किलोग्राम की दर से और खाली शीशियों की बिक्री प्रति नग की दर से की जाएगी। इच्छुक निविदाकारों से निविदाएं बंद लिफाफे में मांगी गई हैं, जिसमें तकनीकी बिड और प्राईज बिड अलग-अलग प्रस्तुत करनी होगी।

निविदाएं 29 अगस्त 2024 को प्रातः 11:00 बजे तक कार्यालय जिला आबकारी अधिकारी, एमसीबी में जमा कराई जा सकती हैं। निविदाकारों की उपस्थिति में उसी दिन दोपहर 12:00 बजे समिति द्वारा इन बंद लिफाफों को खोला जाएगा। निविदा शर्तों और नियमों, निविदा प्रपत्र और शराब दुकानों की अवस्थिति की विस्तृत जानकारी के लिए इच्छुक पक्ष अंतिम तिथि के एक दिन पूर्व तक, अवकाश के दिनों को छोड़कर, कार्यालयीन समय में जिला आबकारी अधिकारी सह जिला प्रबंधक, छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन लिमिटेड, जिला एमसीबी के कार्यालय से 500 रुपये के बैंक ड्राफ्ट के साथ जिला प्रबंधक सी.एस.एम.सी.एल., जिला एमसीबी के पक्ष में जमा कर प्राप्त कर सकते हैं।

इस निविदा प्रक्रिया को कलेक्टर महोदय द्वारा अनुमोदित किया गया हैं।

गर्लफ्रेंड से मिलने गए बॉयफ्रेंड की पिटाई

लोगों ने कपड़े फाड़े, फिर जमकर पीटा, घूमने के बाद लड़की को छोड़ने गया था

मीडिया ऑडीटर, खैरागढ़ एजेंसी। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में गर्लफ्रेंड से मिलने गए बॉयफ्रेंड को ग्रामीणों ने पिटाई कर दी, जिससे उसे कई गंभीर चोटें आई हैं। इसका वीडियो भी सामने आया है।

लड़की के परिजन और ग्रामीण उसे पीटते नजर आ रहे हैं। हालांकि थाने में इसकी कोई शिकायत नहीं की गई है।

वीडियो 15 अगस्त के दिन का बताया जा रहा है, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। युवक मनीष वर्मा खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के डूंडा गांव का रहने

वाला है, जो राजनांदगांव के रंगकठेरा निवासी अपनी प्रेमिका से मिलने गया था।

प्रेमिका को घर छोड़ने गया, तो लोगों ने पकड़ा: उस दिन दोनों ने एक साथ काफी समय बिताया। घूमने के बाद शाम को जब मनीष अपनी प्रेमिका को उसके घर छोड़ने जा रहा था, तभी लोगों ने उसे देख लिया। जिसके बाद पकड़कर उसकी जमकर पिटाई कर दी। कपड़े भी फाड़ दिए गए। दोनों की पिछले करीब एक साल से जान पहचान थी।

युवक का अस्पताल में कराया गया इलाज: घटना के बाद गंभीर रूप से घायल युवक अपनी बाइक से किसी तरह घर पहुंचा और परिजनों को जानकारी दी। जिसके बाद युवक के परिजनों ने उसे सिविल अस्पताल खैरागढ़ ले गए, जहां इलाज करवाया गया। फिलहाल मनीष की हालत ठीक है।

पिता ने शिकायत करने से किया इनकार: वहीं, वीडियो सामने आने के बाद पुलिस की टीम युवक के घर पहुंचकर मुलाकात की। हालांकि पीड़ित और उसके परिजनों ने मामले में शिकायत करने से मना कर दिया है। उसके पिता का कहना है कि, इसमें गलती उनके बेटे की है।

जिले में अब तक 824.5 मिमी औसत वर्षा की गयी दर्ज

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले में 01 जून से 22 अगस्त 2024 तक 824.5 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई है। कार्यालय कलेक्टर भू-अभिलेख शाखा से प्राप्त जानकारी के अनुसार 1 जून से अब तक सर्वाधिक वर्षा 960.8 मिमी मनेन्द्रगढ़ तहसील में तथा न्यूनतम 715.1 मिमी खड़गवां तहसील में दर्ज की गई है। इसके अलावा तहसील केल्हारी में 946.7 मिमी, तहसील चिरमिरी में 778.8 मिमी, तहसील कोटाडोल में 766.9 मिमी, तहसील भरतपुर में 778.7 मिमी तथा तहसील खड़गवां में 715.1 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई है।

खतरे के चलते एसबीआई बरतुंगा शाखा को स्थानांतरित करने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। चिरमिरी तहसीलदार द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन में भारतीय स्टेट बैंक बरतुंगा की शाखा को स्थानांतरित करने की सिफारिश की गई है। यह शाखा हल्दीबाड़ी-बड़ाबाजार-गोदरीपारा मुख्य मार्ग से लगभग 2.5 किलोमीटर की दूरी पर एसईसीएल द्वारा निर्मित और स्वामित्व वाले भवन में वर्ष 1992 से संचालित हो रही है। इस शाखा में कुल 11,949 खाता धारक हैं, जिनमें से लगभग 75 प्रतिशत लोग बरतुंगा से अन्य क्षेत्रों में निवासरत हैं। इस प्रतिवेदन के अनुसार यह शाखा चिरमिरी एसईसीएल ओपन कास्ट माइंस के लीज होल्ड क्षेत्र में स्थित है, जो एक कोल-बेयरिंग क्षेत्र है।

इस क्षेत्र में कोयला खदानों में होने वाले विस्फोटों के कारण आसपास के भवनों में गंभीर कंपन महसूस किया जाता है। इसके अतिरिक्त, इस क्षेत्र में सतह के नीचे आग लगने और जमीन धंसने का भी गंभीर खतरा है, जिससे यह क्षेत्र जन सुरक्षा की दृष्टि से असुरक्षित हो गया है। जांच प्रतिवेदन के आधार पर जिला प्रशासन ने भारतीय स्टेट बैंक को निर्देशित किया गया है कि बरतुंगा शाखा को 31 दिसंबर 2024 से पूर्व अन्यत्र स्थानांतरित करे। प्रशासन ने चेतावनी दी है कि यदि इस तिथि तक स्थानांतरण नहीं किया गया तो जनसुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए एसबीआई बरतुंगा शाखा के भवन को सील कर दिया जाएगा।

भू-माफिया ने कटवाए 400 पेड़

बीजेपी पार्षद ने निगम आयुक्त से की शिकायत, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई

मीडिया ऑडीटर, भिलाई निप्र। भिलाई नगर निगम के जोन-2 के वार्ड-25 में 400 से अधिक पेड़ों को काटकर मैदान बना दिया गया है। वार्ड पार्षद और स्थानीय लोगों की शिकायत के बावजूद निगम और जिला प्रशासन ने भू-माफिया पर कोई कार्रवाई नहीं की है।

जवाहर नगर हाउसिंग बोर्ड के भाजपा पार्षद नोहर वर्मा ने बताया कि, यह वैशालीनगर विधानसभा के नगर पालिका निगम भिलाई में आता है। यहां गरीबों के लिए आवास बनाने के नाम पर निगम की करीब 17 एकड़ जमीन खाली पड़ी है। कुछ जगहों पर बॉम्बे और प्रधानमंत्री आवास भी बनाए जा चुके हैं।

तस्कर और भू-माफिया सक्रिय: यहां बचे कुछ जगह पर काफी पेड़ तैयार हो गए, लेकिन कुछ लकड़ी तस्कर और भू-माफिया पिछले कुछ महीनों से सक्रिय हैं। उनके द्वारा पिछले 6 महीनों में यहां 400 से अधिक पेड़ काट दिए गए हैं।

तीन दिन पहले सूचना मिली थी कि, यहां कुछ लोग दिन इलेक्ट्रिक आरा मशीन से पेड़ों को काट रहे हैं।

जब उन्होंने वहां जाकर देखा तो कटे पेड़ दिखे। कुछ लोग पेड़ों की लकड़ी को ष्टत्र 07 [पत्रिका RAJASTHAN] 9023 नंबर की पिकअप और एक ट्रक में लोड कर ले जा रहे थे। यदि इस पिकअप को ही पकड़ा जाए, तो आरोपियों का पता चल जाएगा।

शिकायत के बावजूद कार्रवाई नहीं: भाजपा पार्षद नोहर वर्मा ने जोन और निगम आयुक्त से इसकी शिकायत की। जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो लिखित शिकायत निगम आयुक्त और कलेक्टर के नाम दी। लेकिन 3-4 दिन बीत जाने के बाद भी इस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

भाजपा नेता मयंक गुप्ता का कहना है कि, यदि इस पर कार्रवाई नहीं होती है, तो वो निगम आयुक्त दफ्तर के सामने बैठकर धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

आयुक्त ने कहा- एफआईआर दर्ज कर होगी कार्रवाई: निगम आयुक्त देवेश ध्रुव का कहना है कि, उन्होंने जोन कमिश्नर येशा लहरे को मौके पर जाकर पंचनामा कार्रवाई करने के

निर्देश दिए थे। ऐसा करना गैर कानूनी है। इस मामले में एफआईआर दर्ज कराई जाएगी। जो भी आरोपी होगा, उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

"एक पेड मां के नाम" की जगह हो रही पेड़ों की कटाई: भाजयुमो प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य मयंक गुप्ता का कहना है कि, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू किया है। कल ही राज्यपाल दुर्ग में आकर एक पेड़ मां के नाम लगाकर गए हैं। उन्होंने लोगों से पेड़ लगाने की अपील की है। वैशाली नगर विधानसभा में निगम की निरंकुशता के चलते पेड़ों को काटा जा रहा है। ऐसा करने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। ये पूरी तरह से गलत है।

आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों के लिए नए प्राधिकृत अधिकारी नियुक्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी निप्र। जनकपुर विकासखंड-भरतपुर स्थित आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या. के संचालक मंडल का कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात, छत्तीसगढ़ शासन के सहकारिता विभाग ने प्राधिकृत अधिकारी की नियुक्ति आदेश जारी किया है। इसके पूर्व में नियुक्त प्राधिकृत अधिकारी अनुरंजन कुजूर थे अब उसके स्थान पर लक्ष्मी प्रसाद अहिरवार, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी कार्यालय उप संचालक कृषि मनेन्द्रगढ़ जिला एमसीबी को इस पद पर नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही मुनेश्वर सिंह पैकरा, ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी कार्यालय उप संचालक कृषि मनेंद्रगढ़ जिला एमसीबी को आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या.गढ़वार, रामाकांत सिंह ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी कार्यालय उप संचालक कृषि मनेन्द्रगढ़ जिला एमसीबी को आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या. कोटाडोल, ध्यान सिंह ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी कार्यालय उप संचालक कृषि मनेन्द्रगढ़ जिला एमसीबी को आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या. कमर्जी, अपोलो खलखो ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी कार्यालय उप संचालक कृषि मनेन्द्रगढ़ जिला एमसीबी को आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या. माड़ीसराई तथा कृष्ण कुमार ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी कार्यालय उप संचालक कृषि मनेन्द्रगढ़ जिला एमसीबी को आदिम जाति सेवा सहकारी समिति मर्या. सिंगरौली में पदस्थ किया गया है। यह आदेश छत्तीसगढ़ सहकारी सोसाइटी अधिनियम 1960 की धारा 49 (8) के तहत सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं बैकुंठपुर जिला-कोरिया के प्रशासनिक दृष्टिकोण से आंशिक संशोधन के रूप में जारी किया गया है।

हथौड़ी-चाकू लेकर घूमते नाबालिग गिरफ्तार

रायपुर एजेंसी। राजधानी रायपुर में एक नाबालिग हथौड़ी और चाकू पकड़कर घूमते गिरफ्तार हुआ है। नाबालिग बाइक चोरी की फिराक में सड़क पर घूम रहा था। इस दौरान पुलिस की नाइट गश्त टीम ने रोककर पूछताछ की। जिसके बाद चोरी के मामले का खुलासा हुआ। पुलिस ने नाबालिग के पास से 8 चोरी की बाइक बरामद किया है।

कोलकाता रेप-मर्डर केस, सीबीआई ने कहा- सबूतों से छेड़छाड़ हुई

कोलकाता/नई दिल्ली (एजेंसी)। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज अस्पताल में 9 अगस्त को हुए ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस में आज (22 अगस्त) सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जिसके बाद एम्स के डॉक्टरों ने 11 दिन से चल रही हड़ताल खत्म कर दी है। इससे पहले सीजेआई ने कहा था कि डॉक्टर काम पर लौट आएं। अस्पतालों की स्थिति जानता हूं। मैं खुद एक सरकारी अस्पताल के फर्श पर सोया हूं, जब मेरे परिवार का एक सदस्य बीमार था। वापस आने के बाद आप पर कोई एक्शन नहीं लिया जाएगा सीजेआई ने कहा कि हमें बताया गया कि डॉक्टर काम पर वापस जाने के लिए तैयार हैं। राज्य सरकारें डॉक्टरों के लिए कुछ सुरक्षा इंतजाम कर सकती हैं। हम केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय निर्देश देते हैं कि वे राज्य के मुख्य सचिवों और डीजीपी के साथ मिलकर सुरक्षा सुनिश्चित करें। यह एक्सरसाइज 1 हफ्ते में पूरी हो जानी चाहिए। राज्य 2 हफ्ते के अंदर इसे लागू करें। सुनवाई के दौरान सीबीआई ने कोर्ट में कहा- क्राइम सीन से छेड़छाड़ हुई है। जस्टिस जेबी पारदीवाला ने कहा- कोलकाता पुलिस की भूमिका पर संदेह है। जांच में ऐसी लापरवाही अपने 30 साल के करियर में नहीं देखी। मामले में अगली सुनवाई 5 सितंबर को होगी। एक वकील ने प्राइवेट हॉस्पिटल और नर्सिंग होम में सुरक्षा के मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा- वे किसी को भी नौकरी पर रख लेते हैं, कोई वैरिफिकेशन नहीं।

एअर इंडिया की फ्लाइट में बम की धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया की मुंबई से तिरुवनंतपुरम जा रही फ्लाइट 657 में बम की धमकी मिली है। विमान तिरुवनंतपुरम पहुंच चुका था। तभी पायलट ने बम की सूचना दी। फ्लाइट में 135 पैसेंजर्स सवार थे। सभी को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। तिरुवनंतपुरम एयरपोर्ट पर इमरजेंसी घोषित की गई है। फ्लाइट को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। जांच जारी है। एयरपोर्ट अथॉरिटी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग के बाद सभी यात्री सुरक्षित हैं और उनके सामान की जांच की जा रही है। अथॉरिटी की ओर से यह भी कहा गया है कि फिलहाल चिंता की कोई बात सामने नहीं आई है। पिछले 3 महीने में फ्लाइट में बम की धमकी का यह छठवां केस है। इससे पहले जून में तीन फ्लाइट और मई में दो फ्लाइट में बम की धमकी दी गई थी। 3 जून- आकासा एयर की दिल्ली-मुंबई फ्लाइट और इंडिगो की चेन्नई-कोलकाता फ्लाइट में बम की सूचना मिली थी। आकासा एयर की फ्लाइट को अहमदाबाद डायवर्ट किया गया था। फ्लाइट में एक बच्चा और 6 क्रू मेंबर्स सहित 186 पैसेंजर्स सवार थे। दिल्ली से मुंबई के लिए उड़ान भरने के बाद फ्लाइट में सिक्योरिटी अलर्ट मिला था। इसके बाद सुबह 10-13 बजे अहमदाबाद के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट की सेफ लैंडिंग कराई गई। अभी जांच की जा रही है।

यूपी में 80 गांवों में बाढ़, 24 घंटे में 7 मौतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में कहीं भारी तो कहीं हल्की बारिश का दौर जारी है। उत्तर प्रदेश में 10 जिलों के 80 से ज्यादा गांव बाढ़ की चपेट में हैं। पिछले 24 घंटे में बारिश से जुड़े हादसों में 7 लोगों की मौत हो गई। बलिया में गंगा, बाराबंकी में घाघरा, सिद्धार्थनगर में राप्ती और गोंडा में क्रनो नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। राजस्थान में भी मानसून दोबारा एक्टिव हो गया है। बुधवार को जयपुर, भरतपुर, कोटा, अजमेर और उदयपुर संभाग कई जिलों में 2 इंच से ज्यादा बरसात हुई। राज्य में अगले एक हफ्ते तक मध्यम से तेज बारिश का अलर्ट है।दूसरी तरफ दिल्ली में 21 अगस्त को 36.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा है। मौसम विभाग ने गुरुवार (22 अगस्त) को 16 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के मुताबिक, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, बिहार, झारखंड, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, तटीय कर्नाटक और कोंकण-गोवा में भारी बारिश (7 सेमी) का अलर्ट है।

वक्फ बिल पर 31 सदस्यीय जेपीसी की पहली बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। वक्फ बिल पर गुरुवार (22 अगस्त) को पहली बार 31 सदस्यीय संयुक्त संसदीय समिति की बैठक हुई। इसमें समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल ने बताया कि बिल पर विचार करने के दौरान सभी 44 बदलावों (अमेंडमेंट्स) पर चर्चा होगी। साथ ही सभी हिस्सेदारों की बात सुनी जाएगी। मुस्लिम जानकारों से भी राय ली जाएगी। अल्पसंख्यक मामलों और कानून मंत्रालय के अधिकारी ने समिति को ड्राफ्ट कानून में जो बदलाव किये गए है, उसके बारे में बताया। जेपीसी को वक्फ बिल की जांच का काम सौंपा है। संसदीय कार्य और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने 8 अगस्त को लोकसभा में वक्फ बिल 2024 पेश किया था। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी समेत विपक्षी दलों ने इस बिल का विरोध करते हुए इसे मुस्लिम विरोधी बताया था। विपक्ष की आपत्ति और भारी विरोध के बीच ये बिल लोकसभा में बिना किसी चर्चा के जेपीसी को भेज दिया गया था।

पीएम मोदी के कीव पहुंचने से पहले यूक्रेनी प्रधानमंत्री यूलिया का बड़ा बयान

कीव (एजेंसी)। पीएम मोदी की यूक्रेन यात्रा से पहले यूक्रेनी प्रधान मंत्री यूलिया टिमोशेंको ने भारत को लेकर बड़ा बयान जारी किया है। टिमोशेंको का कहना है, "...युद्ध शुरू होने के समय लगभग 18,000 भारतीय छात्र यूक्रेन में थे, जिन्हें निकाला गया। अच्छी खबर यह थी कि उनमें से कुछ (यूक्रेन) वापस आना शुरू कर दिया और यूक्रेन में अपनी शिक्षा जारी रखी। यूक्रेनी प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारे लिए पीएम मोदी की यात्रा स्थायी शांति की दिशा में हमारे संयुक्त प्रयासों की शुरुआत की आशा देती है।

उन्होंने कहा कि मैं पीएम मोदी को अपनी इच्छा व्यक्त करना चाहती हूं कि उनकी यात्रा सफल हो और शांति की आशा को मजबूत कर सके। क्योंकि वह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता हैं और यहीं से हमारी उम्मीदें आधारित हैं। इसलिए मुझे विश्वास है कि उनकी यात्रा सफल होने वाली है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यात्रा बहुत सफल होगी जो यूक्रेन को स्थिर, व्यापक, टिकाऊ और निष्पक्ष शांति प्राप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण रणनीतिक कदम साबित होगी।

मुख्यमंत्री ने विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन में अंतर्राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस का किया शुभारंभ

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण, स्वचालन, नेटवर्किंग, डिजिटलीकरण, ग्रीन लाइब्रेरी और नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पुस्तकालय के महत्व जैसे विषयों पर चिंतन और विचार विमर्श जरूरी है। इससे पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण और समसामयिक शिक्षा प्रणाली में उनकी उपयोगिता बनाए रखने का मार्ग प्रशस्त होगा। सूचना प्रौद्योगिकी के कारण बदलते परिवेश में पुस्तकालय समाज में ज्ञान के स्रोत की भूमिका निरंतर निभाते रहें, इसके लिए जरूरी है कि हम सभी पुस्तकालयों को समाज का अभिन्न हिस्सा बनाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन द्वारा बदलते शैक्षणिक एवं सामाजिक परिवेश में लाइब्रेरी की भूमिका और चुनौतियां विषय पर आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कांफ्रेंस के शुभारंभ सत्र को मंत्रालय से वर्चुअली संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पुस्तकालय मानव इतिहास की बड़ी संपदा है। पुस्तकालय ज्ञान का संरक्षण, संवर्धन और प्रसार ठीक उसी तरह से करते हैं, जैसे बैंक समाज और राष्ट्र की धन संपदा के संरक्षण और संवर्धन की भूमिका निभाते हैं। भारतीय इतिहास में पुस्तकालयों का विशेष महत्व रहा है। नालंदा, विक्रमशिला, तक्षशिला के पुस्तकालय विद्या के केन्द्र और ज्ञान के भंडार थे, दुर्भाग्यवश यह महान केन्द्र विदेशी आक्रांताओं के निशाना बनें। उज्जैन धर्म, आध्यात्म एवं ज्ञान-विज्ञान का संगम रहा है। बाबा महाकाल, काल गणना के केन्द्र बिन्दु में विराजित हैं और उज्जैन का सांदीपनी आश्रम भगवान श्रीकृष्ण और बलराम का गुरूकुल रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिस प्रकार से शोध अनुसंधान और अध्ययन की गतिविधियां जारी हैं, निश्चित ही उज्जैन भविष्य का ग्रीनविच बनकर भारत का गौरव बढ़ाता रहेगा।

बदलापुर यौन शोषण केस-हाईकोर्ट बोला- बच्चियों को भी नहीं बख्शा जा रहा

मुंबई/बदलापुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर स्थित एक स्कूल में दो बच्चियों से यौन शोषण मामले पर बॉम्बे हाईकोर्ट में गुरुवार (22 अगस्त) को सुनवाई हुई। कोर्ट ने कहा कि अब 4 साल की बच्चियों को भी नहीं बख्शा जा रहा। यह कैसी स्थिति है। कोर्ट ने कहा कि अगर स्कूल ही सेफ नहीं है तो शिक्षा के अधिकार और बाकी चीजों की बात करने का क्या मतलब। हाईकोर्ट ने मामले की जानकारी छिपाने के आरोप में स्कूल प्रशासन के खिलाफ पॉक्सो के तहत केस दर्ज करने को कहा है। जस्टिस रेवती मोहिते डेरे और जस्टिस पृथ्वीराज चव्हाण की बेंच ने सरकार से केस डायरी और स्नड्डक्रकी कॉपी भी मांगी है। एडवोकेट जनरल बीरेंद्र सराफ ने कोर्ट में सरकार का पक्ष रखा। मंगलवार (27 अगस्त) को मामले की अगली सुनवाई होगी। बदलापुर के आदर्श स्कूल में 12 और 13 अगस्त को 23 साल के सफाई कर्मी अक्षय शिंदे ने किंडरगार्टन में पढ़ने वाली 3 और 4 साल की दो बच्चियों का यौन शोषण किया था।

जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस और एनसी में गठबंधन

श्रीनगर (एजेंसी)। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव मिलकर लड़ेंगे। गुरुवार, 22 अगस्त को राहुल गांधी से मुलाकात के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के मुखिया फारूक अब्दुल्ला ने इसका ऐलान किया। उन्होंने कहा, %राज्य की सभी 90 सीटों पर दोनों दल एक साथ चुनाव लड़ेंगे।

सीटों को आज रात तक फाइनल कर लिया जाएगा। हमें उम्मीद है कि हम फिर से सत्ता में आएंगे। हमारे दरवाजे सभी के लिए खुले हैं।% इससे पहले कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने श्रीनगर में पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा कि जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व करना और इसे वापस राज्य का दर्जा दिलाना सबसे जरूरी है। यहां से मेरा खून का रिश्ता है। ऐसे में उम्मीद है कि चुनाव में लोग हमारा साथ जरूर देंगे। राहुल गांधी ने कार्यकर्ताओं से कहा कि लोकसभा चुनाव में हमने पीएम मोदी का कॉन्फिडेंस तोड़ दिया है। अब उनकी छाती 56 इंच की नहीं रही। वे कंधे झुकाकर चलते हैं। जम्मू-कश्मीर चुनाव में गठबंधन तभी होगा जब कांग्रेस के सभी कार्यकर्ताओं को इज्जत मिलेगी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि अगर हम जम्मू-कश्मीर चुनाव जीतेंगे तो सारा हिंदुस्तान हमारे कब्जे में आएगा। राहुल और खड़गे दो दिन के जम्मू-कश्मीर दौरे पर हैं। दोनों नेता 21 अगस्त की शाम श्रीनगर पहुंचे। दूसरे दिन दोनों नेता कार्यकर्ताओं से मिले। हिंदुस्तान के इतिहास में पहली बार हुआ है कि किसी राज्य का दर्जा छीनकर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है। हमारे लिए जरूरी है कि इसे इसका पुराना दर्जा वापस मिले। इसलिए हम सब मिलकर यहां पहले आए हैं।

मोदी ने यूक्रेन यात्रा से पहले कहा- शांति बहाली के लिए भारत हर संभव सहयोग को तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। यूक्रेन की अपनी यात्रा से एक दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत का दृढ़ता से मानना है कि किसी भी संघर्ष का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं निकाला जा सकता और वह क्षेत्र में शांति एवं स्थिरता बहाल करने के लिए हर संभव सहयोग देने को तैयार है। मोदी ने पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क के साथ व्यापक वार्ता करने के बाद यह बात कही। बैठक में, दोनों नेताओं ने भारत-पोलैंड संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में तब्दील करने का निर्णय लिया। दो देशों की यात्रा के दूसरे चरण में, मोदी करीब सात घंटे के लिए कीव में होंगे। वह यूक्रेन की राजधानी के लिए आज शाम एक ट्रेन से रवाना होंगे और इस यात्रा की अवधि करीब 10 घंटे की होगी। मोदी ने टस्क के साथ बातचीत के बाद अपने प्रेस वक्तव्य में कहा, ''यूक्रेन और पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष हम सभी

के लिए गहरी चिंता का विषय है। भारत का दृढ़ता से मानना है कि युद्ध के मैदान में किसी भी समस्या का समाधान नहीं ढूंढा जा सकता।%% प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ''किसी भी संकट में निर्दोष लोगों की जान जाना समूची मानवता के लिए सबसे बड़ी चुनौती बन गई है। हम शांति एवं स्थिरता शीघ्र बहाल करने के लिए वार्ता और कूटनीति का समर्थन करते हैं।

पटना में ईडी कार्यालय के बाहर कांग्रेस नेताओं ने किया प्रदर्शन, हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर सीबीआई से जांच कराने की उठाई मांग

पटना (एजेंसी)। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में हुए खुलासे को लेकर आज देशभर में कांग्रेस पार्टी के बड़े नेताओं द्वारा ईडी दफ्तर के बाहर प्रदर्शन किया गया। बिहार में भी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह और विधायक दल के नेता शकील अहमद खा के नेतृत्व में प्रदर्शन किया गया। ऐतिहासिक गांधी मैदान के पास स्थित गांधी मूर्ति से ईडी कार्यालय तक कांग्रेस नेताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने मांग की कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में हुए खुलासे की जांच केंद्र सरकार जेपीसी के माध्यम से कराए। सेबी की अध्यक्ष की बर्खास्तगी की मांग करते हैं। यदि केंद्र सरकार ईडी के अधिकारी ऐसा नहीं करते हैं तो हमारा प्रदर्शन देशभर में जारी रहेगा। हम जनता की अदालत में जाएंगे और बताएंगे कि केंद्र सरकार एक उद्योगपति और बड़े अधिकारी को कैसे बचा रही है। वहीं, ईडी दफ्तर के पास पहुंचे कांग्रेस विधायकों को सुरक्षाकर्मियों ने रोका। कांग्रेस नेताओं ने जिला अधिकारी को मेमोरेंडम देकर अपनी बात रखी है। वहीं, ईडी दफ्तर के अंदर कांग्रेस नेताओं को क्यों नहीं जाने दिया गया? इसको लेकर सुरक्षा में तैनात मजिस्ट्रेट ने बताया कि ईडी के अधिकारी कोई भी नोटिस नहीं लेते हैं,

सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की

बंगाल सरकार के पूछा- एफआईआर 14 घंटे बाद क्यों?

नईदिल्ली(एजेंसी)। कोलकाता बलात्कार-हत्या मामले में पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा अपनाई गई समयसीमा और प्रक्रियाओं को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे.बी. पारदीवाला ने घटनाओं के क्रम, खासकर मामले को अप्राकृतिक मौत के रूप में दर्ज करने में देरी और पोस्टमार्टम के समय पर सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने स्थिति का राजनीतिकरण न करने का आग्रह किया और कहा कि कानून अपना काम कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वे डॉक्टरों के कल्याण और सुरक्षा के बारे में चिंतित हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि राज्य चिकित्सा प्रतिष्ठानों में हिंसा की किसी भी आशंका को रोक सकें। इस बीच, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज में सीआईएसएफ को तैनात किया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टरों से काम पर लौटने की अपील की। ??सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि विरोध प्रदर्शन करने वाले डॉक्टरों के खिलाफ कोई भी बलपूर्वक कदम न उठाया जाए और न ही कोई प्रतिकूल कार्रवाई की जाए। सुप्रीम कोर्ट ने स्वास्थ्य मंत्रालय को एक पोर्टल खोलने का निर्देश दिया है, जहां हितधारक समिति के समक्ष अपने सुझाव प्रस्तुत कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को बाधित न करने का निर्देश दिया और राज्य को आरजी कर घटना के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं करने का निर्देश दिया। बलात्कार-हत्या मामले में उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से सवाल किया कि घटना के संबंध में प्राथमिकी दर्ज करने में 14 घंटे की देरी का क्या कारण है? उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार से सवाल किए कि आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य के संपर्क में कौन था, उन्होंने प्राथमिकी दर्ज कराने में देरी क्यों की, इसका उद्देश्य क्या था। उच्चतम न्यायालय ने राष्ट्रीय कार्यबल को चिकित्सकों की सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय प्रोटोकॉल तैयार करते समय सभी हितधारकों की बात सुनने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष का पॉलीग्राफ टेस्ट कराने के लिए सीबीआई कोर्ट को निर्देश दिए हैं।

आज पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाएगा देश

नईदिल्ली(एजेंसी)। शुक्रवार को पूरे देश में पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस 2024 मनाया जाएगा। पिछले साल इसी दिन चंद्रयान-3 मिशन ने चांद की सतह पर विक्रम लैंडर की सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग की थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मुख्य समारोह का उद्घाटन करेंगी, जो नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जाएगा। इस वर्ष के समारोह का विषय है चंद्रमा को छूते हुए जीवन को छूना- भारत की अंतरिक्ष गाथा, जो समाज और प्रौद्योगिकी पर अंतरिक्ष अन्वेषण के गहन प्रभाव पर जोर देती है। नई दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अंतरिक्ष राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा कि यह पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस है और यह न केवल उत्सव का दिन है, बल्कि चिंतन, आत्मनिरीक्षण और भविष्य की रूपरेखा तैयार करने का दिन भी है।इसरो के अध्यक्ष डॉ. एस सोमनाथ ने कहा कि कल, 23 अगस्त 2024 को चंद्रमा के दक्षिणी हिस्से पर चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग की सफलता की याद में पहला राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया जाएगा, ऐसा करने वाला यह पहला देश होगा।

शंभू बॉर्डर अभी नहीं खुलेगा, सुप्रीम कोर्ट से पंजाब-हरियाणा को किसानों संग बातचीत का निर्देश

नईदिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को पंजाब और हरियाणा दोनों राज्य सरकारों से शंभू सीमा पर राजमार्ग खाली करने के लिए आंदोलनकारी किसानों को मनाने के लिए कहा, क्योंकि न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) और अन्य मुद्दों पर किसानों की चिंताओं को हल करने के लिए विशेषज्ञ समिति के गठन पर फैसला 2 सितंबर तक के लिए टाल दिया गया। न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने दोनों राज्यों को कृषि से संबंधित स्वतंत्र व्यक्तियों को शामिल करने वाली विशेषज्ञ समिति के लिए प्रस्तावित संदर्भ शर्तों का सुझाव देने की भी अनुमति दी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि समिति की संरचना और उनके द्वारा हल किए जाने वाले मुद्दों पर, हमने अपना होमवर्क कर लिया है। हम ऐसा करेंगे. लेकिन हम दोनों राज्यों से अनुरोध करते हैं कि वे किसानों को आश्वस्त करें कि चूंकि अब अदालत उनकी शिकायतों तक पहुंचने के लिए एक मंच बनाने पर विचार कर रही है, इसलिए इस मुद्दे को केवल कानून के अनुसार ही हल किया जा सकता है। पंजाब के महाधिवक्ता गुरमिंदर सिंह ने अदालत को सूचित किया कि राज्य के अधिकारियों ने इस सप्ताह की शुरुआत में किसान यूनियनों के साथ एक बैठक की और यातायात की आंशिक आवाजाही के लिए अंबाला-नई दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग को साफ करने की संभावना का पता लगाया, जैसा कि शीर्ष अदालत ने 12 अगस्त को सुझाव दिया था। सिंह ने आगे कहा कि राज्य उन्हें उन वाहनों पर आगे बढ़ने की अनुमति देने के लिए भी तैयार है जो मोटर वाहन अधिनियम (एमवी अधिनियम) के अनुसार अनुमत हैं। पीठ ने पंजाब एजी से कहा कि आपको उन्हें राजमार्ग खाली करने और अपने ट्रैक्टर और ट्रॉलियां हटाने के लिए मनाना चाहिए। सिंह ने कहा कि विचार-विमर्श अभी भी चल रहा है, और किसान यूनियनों ने राज्य के सुझाव पर वापस आने के लिए समय मांगा है।

जर्मनी से हारना दुर्भाग्यपूर्ण, लगातार कांस्य पदक जीतना बड़ी उपलब्धि-हरमीत सिंह

भुवनेश्वर । भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि कई मौके बनाने के बावजूद पेरिस ओलंपिक के सेमीफाइनल में जर्मनी से हारना दुर्भाग्यपूर्ण रहा लेकिन इसके साथ ही उन्होंने लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने के प्रदर्शन को बड़ी उपलब्धि करार दिया। भारत ने पेरिस में स्पेन को हराकर कांस्य पदक जीता और इस तरह से तोक्यो ओलंपिक खेलों का प्रदर्शन दोहराया। इससे पहले सेमीफाइनल में उसे मौजूदा विश्व चैंपियन जर्मनी से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम का बुधवार को यहां पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया और ओडिशा सरकार ने उसे सम्मानित किया। हरमनप्रीत ने इस अवसर पर पीटीआई वीडियो से कहा, ''जर्मनी के खिलाफ मैच बेहद करीबी था। हमने कई मौके बनाए लेकिन उस दिन भाग्य हमारे साथ नहीं थाऔर कुछ अवसरों पर हम चूक गए।'' उन्होंने कहा,''लेकिन मुझे लगता है कि कांस्य पदक जीतना भी बहुत महत्वपूर्ण था। यह टूर्नामेंट मैं हमारा आखिरी मैच था और मैच जीतने के बाद बहुत खुशी महसूस हो रही है। हमारी कोशिश थी कि हम अपना सपना (स्वर्ण जीतने का) पूरा करें लेकिन किसी तरह से किस्मत ने हमारा साथ नहीं दिया।'' हरमनप्रीत ने कहा,''हमारे पास कांस्य पदक जीतने का मौका था और हम जीत के लक्ष्य के साथ ही मैदान पर उतरे।

हमने लगातार दो पदक

ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली हॉकी टीम को सम्मानित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री नवीन पटनायक ने इस महीने की शुरुआत में पेरिस में ओलंपिक खेलों में लगातार दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कुछ सदस्यों को गुरुवार को यहां सम्मानित किया। पेरिस ओलंपिक में भारत ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्पेन को 2-1 से हराकर कांस्य पदक जीता था। पटनायक की अगुवाई वाली ओडिशा की पिछली सरकार ने भारतीय हॉकी को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई थी। ओडिशा 2018 से राष्ट्रीय पुरुष और महिला टीमों को प्रायोजित कर रहा है। पटनायक ने उम्मीद जताई की भारतीय टीम 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में स्वर्ण पदक जीतेगी। पटनायक ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा, ''आप सभी को मेरी तरफ से बहुत-बहुत बधाई। मुझे उम्मीद है कि अगली बार आप स्वर्ण पदक लाएंगे।'' इस मौके पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की के साथ सुमित, ललित कुमार उपाध्याय, अभिषेक और संजय मौजूद थे। सुमित ने उस समय हॉकी का समर्थन करने के लिए पटनायक को धन्यवाद दिया जब खेल को इसकी सबसे अधिक आवश्यकता थी। उन्होंने कहा, ''मैं नवीन पटनायक सर को तहे दिल से धन्यवाद देना चाहता हूं, खासकर हॉकी इंडिया और पूरी टीम की ओर से हॉकी के प्रति उनके अपार समर्थन के लिए। जब भारतीय हॉकी का कोई प्रायोजक नहीं था, तब उन्होंने आगे बढ़कर टीम को इतनी बढ़ी प्रायोजन राशि दी।''

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने लॉन्च किया खुद का यूट्यूब चैनल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अब डिजिटल दुनिया में कदम रखा है। इस फुटबॉलर ने अपना यूट्यूब चैनल लॉन्च किया जिसे महज 90 मिनट में ही दस लाख से ज्यादा यूजर उनके चैनल को सब्सक्राइब कर चुके हैं। रोनाल्डो सऊदी अरब के क्लब अल नासर के लिए खेलते हैं और दो दशकों से ज्यादा समय अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में पुर्तगाल का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। बुधवार को रोनाल्डो ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक पोस्ट किया। इस दौरान उन्होंने एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा कि, इंतजार खत्म हुआ मेरा चैनल आखिरकार आ गया है। सब्सक्राइब करें और मेरे साथ इस नई जर्नी का हिस्सा बनें। वहीं अपना पहला वीडियो पोस्ट करने के कुछ घंटों बाद ही 1.69 मिलियन सब्सक्राइबर इस नए लॉन्च किए गए चैनल से जुड़ गए। 90 मिनट में 10 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर्स आज तक किसी के नहीं हुए ये एक रिकॉर्ड है। बता दें कि, रोनाल्डो के एक्स प्लेटफॉर्म पर 112.5 मिलियन, फेसबुक पर 170 मिलियन और इंस्टाग्राम पर 636 मिलियन फॉलोअर्स हैं।

अगले साल जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी टीम इंडिया, पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का हुआ ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम को अगले साल पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड का दौरा करना है। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का तब तक चौथा चरण शुरू हो जाएगा। ये टेस्ट सीरीज उसका ही हिस्सा होगी। आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2023-25 तब तक खत्म हो चुकी होगी। इंग्लैंड एंड बेल्स क्रिकेट बोर्ड ने इंग्लैंड मेंस और विमेंस 2025 समर इंटरनेशनल फिक्सचर जारी किया है। इसमें भारत की पांच टेस्ट मैचों की सीरीज का भी शेड्यूल दिया गया है। रोहित शर्मा की अगुवाई में टीम इंडिया अगले साल जून से अगस्त के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने इंग्लैंड दौरे पर होगी। इसी समय भारतीय महिला टीम भी इंग्लैंड दौरे पर होगी और इन दोनों के बीच उस दौरान पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। भारतीय मेंस टीम की पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 20 जून से 4 अगस्त के बीच खेली जाएगी, जबकि भारतीय विमेंस टीम की पांच मैचों की टी20 सीरीज 28 जून से 12 जुलाई के बीच खेली जाएगी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम इसके लिए 16 जुलाई से 22 जुलाई के बीच तीन मैचों की वनडे इंटरनेशनल सीरीज भी खेलेगी। इंडिया वर्सेस इंग्लैंड टेस्ट सीरीज की बात करें तो पहला टेस्ट मैच 20 से 24 जून के बीच लीड्स के हेडिंग्ले मैदान पर खेला जाएगा। इसके बाद दूसरा टेस्ट मैच 2 से 6 जुलाई के बीच बर्मिंघम के एजबेस्टन मैदान पर खेला जाएगा। तीसरा टेस्ट मैच 10 से 14 जुलाई के बीच लंदन के लॉर्ड्स में खेला जाएगा। चौथा टेस्ट मैच 23 से 27 जुलाई के बीच मैनचेस्टर के एमिरेट्स ओल ट्रैफर्ड मैदान पर खेला जाना है। सीरीज का आखिरी और पांचवां टेस्ट मैच 31 जुलाई से 4 अगस्त के बीच लंदन के द किया ओवल मैदान पर खेला जाएगा। भारत और इंग्लैंड के बीच इस टेस्ट सीरीज में की तारीखें आप भी नोट कर लीजिए।

ये पूर्व भारतीय फील्डिंग कोच अफगानिस्तान टीम से जुड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने आगामी मैचों के लिए भारत के पूर्व फील्डिंग कोच आर श्रीधर को सीनियर मेंस टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। 54 वर्षीय श्रीधर टीम के साथ न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए होंगे। इसके बाद लंबी अवधि के अनुबंध पर विचार किया जाएगा। 54 वर्षीय श्रीधर पूर्व बाएं हाथ के स्पिनर हैं। वह 1990 के दौरान भारतीय घरेलू सर्किट में हैदराबाद के लिए खेले। उनके पास पर्याप्त कोचिंग अनुभव है। उन्होंने 2001 में अपना कोचिंग करियर शुरू किया। वह 2021 टी20 वर्ल्ड कप तक रवि शास्त्री की अगुवाई वाली कोचिंग स्टाफ का हिस्सा भी रहे। उन्होंने भारत के फील्डिंग कोच के रूप में काम किया। 2008 से 2014 तक बाएं हाथ के पूर्व स्पिनर ने बेंगलुरु में नेशनल क्रिकेट एकेडमी में सहायक फील्डिंग और स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में भी काम किया। श्रीधर 2014 के भारत अंडर-19 विश्व कप टीम के सहायक कोच भी थे। वह आईपीएल में किंग्स इलेवन पंजाब फ्रेंचाइजी के भी कोच रहे हैं। अफगानिस्तान टीम में श्रीधर मुख्य कोच जोनाथन ट्रॉट के साथ काम करेंगे। टीम 9 सितंबर से नोएडा में न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच खेलेगी। वहीं अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने श्रीधर को सहायक कोच बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने भारत के रामकृष्णन श्रीधर को न्यूजीलैंड के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज के लिए राष्ट्रीय टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है।

मैं अब रुकने वाला नहीं हूं... रोहित शर्मा ने चैंपियंस ट्रॉफी और डब्ल्यूटीएस जीतने का दिया आश्वासन

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 वर्ल्ड कप 2024 जीतने के बाद रोहित शर्मा का आत्मविश्वास बढ़ गया है। जिसके बाद उन्होंने आगामी दो आईसीसी इवेंट, चैंपियंस ट्रॉफी और वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब जीतने का आश्वासन दे दिया है। उनका कहना है कि ट्रॉफी का स्वाद चखने के बाद वह रुकने वाले नहीं है। बता दें कि, 2023 वर्ल्ड कप का खिताब गंवाने के बाद हिटमैन थोड़ा निराश थे, लेकिन कोच राहुल द्रविड़, सिलेक्टर अजीत अगरकर और बीसीसीआई सचिव जय शाह के सपोर्ट के दम पर उन्होंने एक बार फिर टीम को खड़ा करने में कामयाब रहे और इस बार टीम के हाथ टी20 वर्ल्ड कप की चमचमाती ट्रॉफी लगी। रोहित शर्मा ने राहुल द्रविड़, अजीत अगरकर और जय शाह को अपने तीन स्तंभ भी बताया है। रोहित ने सिएट क्रिकेट रेटिंग अवॉर्ड्स के दौरान कहा कि, इस टीम को बदलना और आंकड़ों, परिणामों के बारे में ज्यादा चिंता नहीं करना, ये सुनिश्चित करना मेरा सपना था कि हम ऐसा माहौल बनाएं जहां लोग मैदान पर जाकर ज्यादा सोचे बिना खुलकर खेल सकें। इसी की जरुरत थी। मुझे अपनी तीन स्तंभो से बहुत मदद मिली जो असल में जय शाह, राहुल द्रविड़ और चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर हैं। साथ ही रोहित शर्मा ने बातों ही बातों में कहा कि, मैंने 5 आईपीएल ट्रॉफी जीती हैं, इसका एक कारण है। मैं रुकने वाला नहीं हूं, क्योंकि एक बार जब आपको खेल जीतने, कप जीतने का स्वाद मिल जाता है तो आप रुकना नहीं चाहते और हम एक टीम के रूप में आगे बढ़ते रहेंगे। हम भविष्य में बेहतर चीजों के लिए प्रयास करते रहेंगे।

कोहली-स्मिृत आगामी बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में अपना दबदबा कायम करना चाहेंगे-मैथ्यू हेडन

मुंबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाज मैथ्यू हेडन का मानना ??है कि भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ आगामी बोर्डर-गावस्कर श्रृंखला में अपना दबदबा बनाने के लिए बेताब होंगे जिसमें रन बनाना आसान नहीं होगा। अपने दौर के सर्वश्रेष्ठ सलामी बल्लेबाजों में से एक माने जाने वाले हेडन ने कहा कि कोहली और स्मिथ दोनों ही अपने-अपने तरीके से दबदबा बनाना पसंद करते हैं और इस श्रृंखला का नतीजा ऑस्ट्रेलिया में कैसा निकलेगा, यह तय करने में इन दोनों की अहम भूमिका होगी। हेडन ने बुधवार को 'सीएट क्रिकेट रेटिंग अवॉर्ड्स' के इतर कहा,''क्रिकेट लय का खेल है और मुझे यकीन है कि अपने क्रिकेट करियर के अंतिम दौर में पहुंच चुके ये दोनों खिलाड़ी गर्मियों में भी दबदबा बनाने के लिए बेताब होंगे।'' उन्होंने कहा,''यह उनका स्वभाव है। वे इसे बहुत अलग-अलग तरीकों से, बहुत अलग-अलग शैलियों में करते हैं और निश्चित रूप से वे ऑस्ट्रेलियाई गर्मियों में महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे।'' भारत और ऑस्ट्रेलिया 1991-92 के बाद पहली बार 22 नवंबर से पर्थ में पांच टेस्ट मैचों की श्रृंखला की शुरुआती करेंगे और हेडन ने कहा कि यह चुनना मुश्किल होगा कि किसी टीम का पलड़ा भारी होगा। उन्होंने कहा,''आप टीमों को देखें। यह बताना मुश्किल है कि कौन सी टीम का पलड़ा भारी होगा। मुझे लगता है कि रन अंतर पैदा करेंगे। जिन खिलाड़ियों पर निश्चित रूप से दांव लगाया जाता वे संन्यास ले चुके हैं, जैसे (चेतेश्वर) पुजारा ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों में शानदार थे।'' हेडन ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी भारत के खिलाफ जीत के सूखे को खत्म करने के लिए बेताब होंगे। ऑस्ट्रेलिया ने पिछली बार 2014-15 में द्विपक्षीय टेस्ट श्रृंखला जीती थी। उन्होंने कहा,''ऑस्ट्रेलिया में दो श्रृंखलाओं से हमारे हाथ में यह (ट्रॉफी) नहीं है।''

लखनऊ के मेंटर के रूप में आईपीएल में वापसी कर सकते हैं जहीर खान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के अगले सत्र में लखनऊ सुपर जाइंट्स के मेंटर (मार्गदर्शक) के रूप में इस टूर्नामेंट में वापसी कर सकते हैं। यह 45 वर्षीय क्रिकेटर इससे पहले मुंबई इंडियंस में वैश्विक विकास का प्रमुख था। उन्होंने इसी फ्रेंचाइजी में 2018 से लेकर 2022 तक क्रिकेट निदेशक का पद भी संभाला था। जहीर खान पहले 10 सत्र में एक क्रिकेटर के रूप में आईपीएल से जुड़े रहे। इस बीच उन्होंने तीन टीम मुंबई इंडियंस, रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर और दिल्ली डेयरडेविल्स (अब दिल्ली कैपिटल्स) की तरफ से कुल मिलाकर 100 मैच खेले जिनमें उन्होंने 7.59 की इकोनॉमी रेट से 102 विकेट लिए। ईएसपीएन क्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार,''जहीर खान की लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के मेंटर पद के लिए फ्रेंचाइजी से बातचीत चल रही है। यह फ्रेंचाइजी गौतम गंभीर के जाने के बाद टी20 क्रिकेट से अच्छी तरह वाकिफ किसी भारतीय पूर्व क्रिकेटर को अपने कोचिंग स्टाफ में जोड़ना चाहती है।'' गंभीर के रहते हुए लखनऊ की टीम 2022 और 2023 में दो बार प्ले-ऑफ में पहुंची थी। भारत के पूर्व सलामी बल्लेबाज गंभीर

2023 के आखिर में कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़ गए थे और उन्होंने इस साल इस फ्रेंचाइजी को चैंपियन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। इसके बाद उन्हें भारतीय टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। लखनऊ को अपने गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल की सेवाएं भी नहीं मिलेगी। दक्षिण अफ्रीका का यह पूर्व तेज गेंदबाज इसी भूमिका में भारत की पुरुष टीम में गंभीर के सहयोगी स्टाफ में शामिल हो गए हैं।

भारतीय कोच की तलाश में है पंजाब किंग्स इस बीचपंजाब किंग्स ट्रेवर बेलिस की जगह है किसी भारतीय खिलाड़ी को मुख्य कोच नियुक्त करने का इच्छुक है। रिपोर्टों के अनुसार पंजाब वीवीएस लक्ष्मण को मुख्य कोच नियुक्त करना चाहता था लेकिन यह संभव नहीं है क्योंकि भारत के पूर्व बल्लेबाज ने बीसीसीआई की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख के रूप में अपना कार्यकाल बढ़ा दिया है।

ये भारतीय क्रिकेटर है 10 देशों में टेस्ट शतक जड़ने वाला दुनिया का पहला खिलाड़ी

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट में भले ही विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर का नाम हर क्रिकेट प्रेमी की जुबान पर हों। लेकिन टेस्ट में पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ का कोई भी सानी नहीं है। दरअसल, सबसे ज्यादा शतक मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर के नाम है। उन्होंने 100 शतक लगाए हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर विराट कोहली हैं। उन्होंने 80 शतक लगाए हैं। हालांकि, शतक लगाने के मामले में एक रिकॉर्ड टीम इंडिया के पूर्व कप्तान राहुल द्रविड़ के नाम है। राहुल द्रविड़ के नाम 10 देशों में शतक जड़ने का रिकॉर्ड है। वह ऐसा करने वाले दुनिया के पहले क्रिकेटर हैं। भारतीय क्रिकेट की दीवार के नाम से मशहूर द्रविड़ को बेहतरीन तकनीक, एकाग्रता और पारी को संभालने के लिए जाने जाता था। द्रविड़ ने 270 टेस्ट मैचों में 52.31 की औसत से 13288 रन बनाने के बाद 2012 में अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया। वह सचिन तेंदुलकर (51) के बाद टेस्ट क्रिकेट में भारत के लिए सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने का रिकॉर्ड राहुल द्रविड़ के नाम है। द्रविड़ के नाम 36 टेस्ट शतक हैं। द्रविड़ ने सभी 10 टेस्ट खेलने वाले देशों में शतक जड़ कर शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज

बनने की उपाधि 2004 में अपने नाम की थी। राहुल द्रविड़ ने सभी 10 टेस्ट खेलने वाले देशों में शतक बनाने वाले पहले बल्लेबाज बनने की उपलब्धि 2004 में चटगांव में भारत और बांग्लादेश सीरीज के दूसरे टेस्ट में हासिल की थी। इसी मैच में ओपनर गौतम गंभीर ने अपना पहला टेस्ट शतक जड़ा था। द्रविड़ ने अपना 18वां टेस्ट शतक लगाया था। द्रविड़ ने 95 गेंदों में अपना अर्धशतक और 196 गेंदों में अपना शतक लगाया। द्रविड़ 160 रन और गंभीर 139 रन के बीच 259 रनों की साझेदारी भारत की विदेश में दूसरे विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी थी।

जेपी एसोसिएट्स ने नहीं चुकाया स्टाम्प शुल्क

4 करोड़ 58 लाख से अधिक का बकाया, सवा 6 करोड़ से ज्यादा की वसूली की तैयारी

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना के पंजीयन और मुद्रांक कार्यालय ने बकायादारों से स्टाम्प शुल्क के बकाया सवा 6 करोड़ से अधिक रकम की वसूली के लिए सख्त रवैया अपनाने की तैयारी शुरू कर दी है। बकायादारों के नाम सार्वजनिक कर दिए गए हैं और उनके खिलाफ कार्यवाही को रफ्तार दी जाने लगी है। इन बड़े बकायादारों में जेपी एसोशिएट जैसी बड़ी कंपनियां और शहर के कई नामी चेहरे भी शामिल हैं।

जिला पंजीयक डॉ. कीर्ति सिंह ने बताया कि सतना और मैहर जिले के बड़े राजस्व बकायादारों को आरआरसी के मामलों में कई बार मांग पत्र और कुर्की वारंट जारी करने के बावजूद बकाया राशि जमा नहीं कराई जा रही है।

प्रमुख सचिव के निर्देशों के तहत अब राजस्व वसूली के लिए लंबित आरआरसी के मामलों में बड़े बकायादारों की सूची तैयार कर मप्र भू-राजस्व संहिता की धारा 146, 147 के प्रावधानों के अनुसार वसूली के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। इस सूचना को चल संपत्ति की कुर्की वारंट की तामीली मानी जाएगी।

इन पर है बकाया: आरआरसी के बड़े बकायादारों में कटरा बाजार घंटाघर मैहर के विजय अग्रवाल पर 11 लाख 19 हजार 113 रुपए, मेसर्स जेपी एसोसिएट्स रीवा 2 करोड़ 14 लाख 38 हजार 712, मेसर्स जेपी एसोसिएट रीवा 2 करोड़ 44 लाख 57 हजार 462, सतना के राजेंद्र नगर के डॉ. महेंद्र सिंह पर 10 लाख 75 हजार 272, पुष्पराज कॉलोनी के राकेश पाण्डेय 10 लाख 65 हजार 955, शास्त्री चौक सतना के रामचंदानी 15 लाख 75 हजार 201, सराय मोहल्ला मैहर के लक्ष्मी नारायण सोनी पर 47 लाख 43 हजार 807, राजेंद्र नगर के सुधीर राज अवस्थी पर 13 लाख 44 हजार, सुभाष चौक के आशीष सरावगी पर 1 लाख 24 हजार 410, जीवन ज्योति कॉलोनी की संगीता देवी चमडिया पर 1 लाख 85 हजार 940, डाली बाबा चौक के महेश कुमार सावनानी पर 2 लाख 94 हजार 100 रुपए का स्टाम्प शुल्क बकाया है। इसी तरह हनुमान चौक की रश्मि अग्रवाल पर 1 लाख 13 हजार 664, बुढ़ार शहडोल के हर्षवर्धन सिंघानिया ने 7 लाख 16 हजार 813 स्टाम्प शुल्क नहीं चुकाया है।

कोठरा के योगेश सिंह पर 4 लाख 69 हजार 454, रगौली के कौशलेंद्र प्रताप सिंह पर 6 लाख 13 हजार 667, बिहारी चौक के सरवर हुसैन पर 2 लाख 64 हजार 662, कृष्ण नगर के सुनील कुमार पर 67 हजार 312, खूंथी के ताज मोहम्मद पर 7 लाख 55 हजार 226, मैहर के दिनेश मिश्रा पर 2 लाख 90 हजार 586, महावीर मार्ग सतना के विपिन चौरसिया 5 लाख 38 हजार 890, प्रेम नगर सतना के रामनिवास शर्मा पर 1 लाख 26 हजार 518 के स्टाम्प शुल्क की वसूली शेष है।

इसके अलावा भरहुत नगर की रीता गुप्ता पर 4 लाख 46 हजार 781, प्रतापपुर की रीतु त्रिपाठी पर 2 लाख 90 हजार 628, खारी रामपुर बघेलान के शंकरलाल पर 2 लाख 62 हजार, डेलौरा के बृजेन्द्र तिवारी पर 1 लाख 39 हजार 819 और सिंहपुर की चंपा देवी उरमालिया पर 9 लाख 11 हजार 763 रूपये की स्टाम्प राजस्व बकाया है।

युवती पर गोली चलाने वाला आदतन अपराधी गिरफ्तार

ब्यूटी पार्लर से लौटते वक्त किया था फायर, पुलिस ने कट्टा जब्त किया

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कोलगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत युवती पर गोली चला कर उसे निशाना बनाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया युवक आदतन अपराधी है और एक तरफा प्रेम में उसने इस वारदात को अंजाम दिया। जानकारी के मुताबिक, कोलगवां थाना पुलिस ने बुधवार की शाम अरुणा शर्मा (परिवर्तित नाम) नामक 20 वर्षीया युवती पर गोली चला कर जान लेने की कोशिश करने वाले आरोपी गोलू यादव पिता चंचल यादव निवासी कोलगवां को गिरफ्तार कर लिया है।

उसके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल किया गया कट्टा भी जब्त किया गया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 के तहत मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी गोलू यादव आदतन अपराधी है और पहले भी कई वारदातों में उसका नाम सामने आ चुका है। बता दें कि बुधवार को युवती ब्यूटी पार्लर गई थी। अचानक गोलू यादव वहां आ धमका था और ब्यूटी पार्लर के अंदर उसने युवती के साथ गाली गलौज-मारपीट की थी। वह पिछले काफी समय से युवती को परेशान कर रहा था और इस बात से नाराज था कि युवती उससे बात क्यों नहीं करती है। युवती किसी तरह वहां से निकल कर भागी तो आरोपी में उस पर गोली चला दी। गनीमत थी कि युवती बाल-बाल बच गई।

स्टाम्प राजस्व वसूली के बड़े बकायादारों से होगी वसूली

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रमुख सचिव मुद्रांक शुल्क एवं महानिरीक्षक पंजीयन के निर्देशानुसार कलेक्टर आफस्टाम्प के कार्यालय में बकाया राजस्व के गतिशील प्रकरणों में तेजी लायी जाएगी। जिला पंजीयक डॉ. कीर्ति सिंह ने बताया कि सतना और मैहर जिले के बड़े राजस्व बकायादारों को आरआरसी के प्रकरणों में कई बार मांग पत्र एवं कुर्की वारंट जारी करने के बावजूद बकाया राशि जमा नहीं कराई जा रही है। कुल 25 बकायादारों पर 32 लाख 61 हजार 614 रूपये का राजस्व वसूली बकाया है। प्रमुख सचिव के निर्देशों के परिपालन में राजस्व वसूली के लिए लंबित आरआरसी के प्रकरणों में बड़े बकायादारों की सूची तैयार कर म.प्र. भू-राजस्व संहिता की धारा 146, 147 के प्रावधानों के अनुसार वसूली के संबंध में आवश्यक कार्यवाही की जायेगी। इस सूचना को चल सम्पत्ति की कुर्की वारन्ट की तामीली मानी जायेगी।

आरआरसी के बड़े बकायादारों में डेलौरा के मनोज सिंह पर 33 हजार 90 रूपये, कृष्णनगर सतना के दिलीप/राकेश वलैया पर 1 लाख 22 हजार 313, सितपुरा नागौद के राजललन/विपिन पटेल पर 32 हजार 384, ग्राम पोस्ट भीषमपुर अमरपाटन के उपेन्द्र कुमार मिश्रा पर 24 हजार 352, मुख्त्यारगंज गली नम्बर-4 सतना की श्रीमती सीमा सिंह पर 3 हजार 380, सिंधी कैम्प सतना के किशोर कुमार सावनानी पर 1 लाख 9 हजार 360, धवारी सतना के महेश तिवारी पर 1 लाख 30 हजार 522, कटरा बाजार मैहर के राजेन्द्र नामदेव पर 1 लाख 58 हजार 358, ग्राम पोस्ट कोरिगवां तहसील अमरपाटन के उपेन्द्र सिंह पर 44 हजार, बगहा सतना की सुमन पाठक तथा श्रीमती राजकुमारी पाठक पर 4 लाख 99 हजार 970, मुख्त्यारगंज सतना के देवव्रत सिंह पर 61 हजार 739, सोहावल के रामभद्राचार्य पर 16 हजार 577, देवधरा तालाब के पास मैहर के अन्नपूर्णा प्रसाद तिवारी पर 1 लाख 1 हजार 732, किला चौक पुरानी बस्ती मैहर की कुसुम सोनी पर 12 हजार 860, स्वामीजी चौक मुख्त्यारगंज सतना की शालनी अग्रहरी पर 3 लाख 94 हजार 455, देवधरा तालाब के पास मैहर के अन्नपूर्णा प्रसाद तिवारी पर 1 लाख 23 हजार 347, प्रणामी मंदिर रोड सतना के हीरालाल मिश्रा पर 3 लाख, प्रेमनगर रेल्वे फाटक के पास सतना के महेन्द्र वाजपेयी पर 1 लाख 39 हजार 418, कटरा बाजार मैहर के राजेन्द्र कुमार नामदेव तथा वल्लभ नगर मैहर की श्रीमती शशि मिश्रा पर 1 लाख 56 हजार 375, शारदा सदन रीवा रोड सतना के मनोज कटारे पर 1 लाख 50 हजार 346, शारदा सदन रीवा रोड सतना के मनोज कटारे पर 4 लाख 47 हजार 98, कोलगवां एकेएस यूनिवर्सिटी महदेवा सतना की प्रीती सोनी पर 45 हजार 713, कोलगवां एकेएस यूनिवर्सिटी महदेवा सतना की श्रीमती प्रीती सोनी पर 28 हजार 306, कोलगढी तहसील उचेहरा के मो. जलील पर 1 हजार 928 और मेसर्स दीवान लाइम कंपनी मैहर द्वारा केजेएस सीमेंट लिमिटेड मैहर पर 1 लाख 25 हजार 991 रूपये की स्टाम्प राजस्व बकाया है।

एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 28 अगस्त को

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। जिला रोजगार कार्यालय एवं शासकीय आईटीआई सतना के सहयोग से शासकीय आईटीआई कॉलेज बिरला रोड सतना में 28 अगस्त को प्रातः 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक एक दिवसीय प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जायेगा। जिसमें महिला एवं पुरूष बेरोजगार आवेदक जो निर्धारित योग्यता पूरी करते हैं, अपने मूल दस्तावेजों के साथ उपस्थित होकर अपनी योग्यता अनुसार रोजगार प्राप्त कर सकते हैं। रोजगार मेले में पुणे की भारत वायर कंपनी और महाराष्ट्र की डुरो कंपनी में मशीन आपरेटर के पद के लिए शैक्षणिक योग्यता 10वीं/12वीं पास एवं मैकेनिकल ट्रेड से आईटीआई डिप्लोमा धारी अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है। इसी प्रकार नौकरीफाई डॉट कॉम में डिप्टी ब्रांच मैनेजर, असिसटेंट मैनेजर, रिलेशनशिप मैनेजर एवं लोन आफीसर बैंक पद के लिए योग्यता स्नातक या उससे अधिक योग्यताधारी उम्र 32 वर्ष तथा एलआई सतना में एजेण्ट (महिला) पद के लिए योग्यता 12वीं पास, उम्र 18 से 35 वर्ष की महिलायें निर्धारित प्रपत्रों के साथ उपस्थित होकर रोजगार प्राप्त कर सकते है।

24 तक कैम्प में पोर्टल पर लायसेंस अपडेट कराये विक्रेता

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना एवं मैहर जिले के थोक एवं फुटकर उर्वरक विक्रेताओं के लायसेंस एमएफएमएस पोर्टल पर अपडेट किया जाना है। इसके लिए 22 से 24 अगस्त तक कारोमण्डल इंटरनेशनल लिमिटेड द्वारा मार्कफेड/सहकारिता (सभी डबल केन्द्र एवं समितियां/निजी) में प्रातः 11 बजे से सायं 5 बजे तक कैम्प लगाया जा रहा है। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मनोज कश्यप ने जिला सहकारी बैंक मर्यादित सतना के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा जिला विपणन अधिकारी से कहा है कि अपने अधीनस्थ उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित करें कि व्होलसेलर/रिटेलर की एमएफएमएस आईडी, लायसेंस, आधार कार्ड, पेनकार्ड, जी0एस0टी0 रजिस्ट्रेशन की प्रतिलिपि तथा दुकान की गूगल मैप फोटो जिसमें लैटीट्यूट एवं लॉगीट्यूट प्रदर्शित हो, दस्तावेजों के साथ निर्धारित समय सारणी के अनुसार कैम्प में उपस्थित होकर एमएफएमएस पोर्टल पर लायसेंस अपडेट करवाना सुनिश्चित करें।

चित्रकूट में लीला गुरूकुल संस्थान की स्थापना हेतु भूमि आवंटित

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट श्री अनुराग वर्मा द्वारा अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मझगवां के प्रतिवेदन के आधार पर मौजा रजौला की आराजी नं.-69/2 रकबा 4.047 हेक्टेयर का अंश भाग 1.618 हेक्टेयर लीला गुरूकुल संस्थान चित्रकूट की स्थापना हेतु भूमि मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग को आवंटित की गई है। कलेक्टर ने अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) मझगवां को शासकीय अभिलेख में दुरूस्त कराने तथा भूमि का अधिपत्य मध्यप्रदेश शासन संस्कृति विभाग को सौपे जाने के निर्देश दिए हैं।

4 वर्षीय नाबालिग के साथ रेप का आरोपी गिरफ्तार

बहला फुसला कर उठा ले गया था, पुलिस ने भेजा जेल

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। शहर के समीपी गांव सोहावल में 4 वर्ष की मासूम के साथ दरिंदगी की कोशिश करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस घटना को लेकर लोगों में आक्रोश था। हालांकि, पुलिस ने आरोपी को सलाखों के पीछे धकेल दिया।

जानकारी के मुताबिक, सिविल लाइन थाना पुलिस ने 4 वर्ष की मासूम बालिका के साथ रेप की कोशिश करने के आरोपी चंदन सिंह (54) को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

इस घटना को लेकर सोहावल गांव में तनाव के हालात भी बने और लोगों का गुस्सा भी भड़का। हालांकि, पुलिस ने माहौल बिगड़ने के पहले ही आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी चंदन सिंह ने बुधवार को बच्चों के साथ खेल रही 4 वर्षीय मासूम में दुलार करने के बहाने अपने पास बुलाया और बहला-फुसला कर अपने साथ ले गया। उसने मासूम के साथ ज्यादती की कोशिश की तो वह रोने लगी और इसी बीच उसके माता-पिता उसे ढूंढते हुए वहां आ पहुंचे। उन्हें देखकर आरोपी भाग निकला था।

बोलने में असमर्थ महिला के साथ रेप का मामला

इधर, मैहर जिले की ताला थाना पुलिस ने रेप के एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसने एक बेजुबान की दिव्यांगता का नाजायज फायदा उठाते हुए उसके साथ दरिंदगी की थी।मैहर पुलिस के मुताबिक,ताला थाना पुलिस ने बेजुबान के साथ रेप करने के आरोपी रामनरेश कोल पिता जगतदेव कोल निवासी ग्राम आमिन थाना ताला जिला मैहर को गिरफ्तार किया है।

आरोपी के खिलाफ एक मूक पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने एक बोलने में असमर्थ महिला ने शिकायत दर्ज कराई थी। उसने पुलिस को इशारों में बताया था कि आरोपी ने 21 अगस्त को भैंसासुर मंदिर ले जा कर उसके साथ रेप किया। ये घिनौनी घटना वह पहले भी उसके साथ कर चुका है।

पीड़िता बोल पाने में असमर्थ थी और पुलिस को उसके इशारे समझने में कठिनाई हो रही थी लिहाजा इसके लिए एक्सपर्ट की मदद ली गई। एक्सपर्ट के जरिए पुलिस ने उसकी बात समझी और शिकायत दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर उसे धर दबोचा।

नशे के 3 सौदागरों पर 20- 20 हजार का इनाम

सवा 12 लाख की नशीली सीरप के मामले में आरोपी हैं

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। सतना जिले के गांव-गांव में नशे का कारोबार फैलाने वाले शातिर तस्कर और उसके दो फरार साथियों पर पुलिस ने इनाम की राशि बढ़ा दी है। सतना पुलिस पिछले 40 दिनों से तीनों की तलाश कर रही है। हालांकि, वे अब तक हाथ नहीं आए हैं।

जानकारी के मुताबिक, रीवा जोन के डीआईजी साकेत प्रकाश पांडेय ने नशे के 3 कारोबारियों बादल सिंह, अमित गुप्ता और आशीष गौतम के ऊपर अब 20 - 20 हजार का इनाम घोषित किया है। इन तीनों के ऊपर सतना एसपी पहले ही 10-10 हजार का इनाम घोषित कर चुके हैं। अब डीआईजी ने इन फरार आरोपियों पर इनाम की राशि बढ़ा दी है।

पुलिस ने बताया कि सिंहपुर थाना क्षेत्र में 12 जुलाई एक पिकप वाहन में 12 लाख 24 हजार रुपए की नशीली कफ सिरप पकड़ी गई थी। उसके साथ पकड़े गए ड्राइवर दिवाकर कुमार पटेल ने अमित गुप्ता ,आशीष गौतम और बादल सिंह का नाम लेकर बताया था कि सीरप की ये खेप इन्हीं तीनों की है।

अमित और आशीष तो गाड़ी में उसके साथ ही खेप लेकर यूपी से आए भी थे। हालांकि, पुलिसिया घेराबंदी के दौरान अंधेरे का फायदा उठा कर भाग निकले थे। तभी से इन तीनों की तलाश लगातार जारी है।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि रामपुर थाना क्षेत्र में रहने वाला बादल सिंह पुराना और शातिर तस्कर है। सांसद-विधायक और मंत्रियों के साथ अपनी तस्वीरें खिंचवा कर उन्हें अपने सोशल मीडिया अकाउंट में अपलोड करता है और फिर उनके दम पर धौंस जमाता है। वह इसी दम पर डंके की चोट पर अपनी गाड़ी में काली फ़िल्म और हूटर लगा कर घूमता है। बादल भाजपा से भी जुड़ा हुआ है।

उर्वरक के निरीक्षण और वितरण में सहयोग करें निरीक्षक

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास मनोज कश्यप ने सतना और मैहर जिले के सभी उर्वरक निरीक्षकों सह वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारियों से कहा है कि खरीफवर्ष 2024-25 में किसानों को पात्रता अनुसार सुव्यवस्थित रूप से गुणवत्तापूर्ण उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करें। इसके लिए अधीनस्थ कृषि विकास अधिकारियों तथा कृषि विस्तार अधिकारियों को निर्देशित करे कि कार्य क्षेत्र अंतर्गत आने वाली सहकारी समितियों एवं निजी उर्वरक विक्रेताओं के यहां नियमित रूप से उपस्थित होकर उर्वरक वितरण में सहयोग प्रदान करे। साथ ही प्रतिदिन की आवक एवं शेष उर्वरक स्कंध की जानकारी भी कार्यालय को भेजना सुनिश्चित करें।

फसल बीमा योजना कराने की अंतिम तिथि 25 अगस्त

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ2024 के फसल बीमा लाभ के लिए शासन द्वारा अधिसूचित क्षेत्र की अधिसूचित फसलों पर ऋणी, अऋणी एवं डिफाल्टर कृषकों का बीमा कराने की अंतिम तिथि 16 अगस्त से बढ़ाकर 25 अगस्त 2024 निर्धारित की गई हैं। जो कृषक फसल बीमा कराने से वंचित रह गए हैं वह अपना आवेदन भरकर आधार कार्ड एवं बचत बैंक खाता की छायाप्रति लेकर निकटतम कॉमन सर्विस सेंटर में जमा कराकर फसल बीमा योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

ग्राम पंचायत नादन में जन समस्या निवारण शिविर संपन्न

मीडिया ऑडीटर, सतना निप्र। मैहर जिले में राजस्व एवं अन्य समस्त विभागों से संबंधित मैदानी स्तर पर लंबित कार्यो, शिकायतों एवं प्रकरणों के निराकरण के लिए तीनों विकासखण्ड की क्लस्टर ग्राम पंचायतों में शिविर लगाये जा रहे हैं।

मैहर जिले के ग्राम पंचायत नादन में गुरूवार को जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया। जहां क्षेत्रीय लोगों से राजस्व 9, पंचायत 9, पीएचई 2, विद्युत विभाग 9, जल निगम 1 मिलाकर कुल 30 शिकायतों के आवेदन प्राप्त किए गए।

अपर कलेक्टर शैलेन्द्र सिंह ने समस्याओं की सुनवाई करते हुए विभागीय अधिकारियों को 1 सप्ताह के अंदर निराकरण करने के निर्देश दिए। इस मौके पर एसडीएम मैहर विकास सिंह, तहसीलदार जितेंद्र पटेल, रामलाल रावत सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

शिविर में पहला आवेदन आशा देवी पाण्डेय वार्ड क्रमांक-3 ग्राम नादन ने प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाए जाने हेतु आवेदन दिया। इसी तरह रामलाल साकेत निवासी ग्राम नादन के द्वारा बताया गया कि साकेत नगर में मुक्तिधाम का निर्माण कार्य किया जाना है जिसके लिए शासकीय जमीन से अवैध अतिक्रमण हटाया जाये। इस दौरान सौखीलाल संतराम साकेत ने बताया कि डीवाईडर में जल भराव की समस्या है जिससे निजात दिलाए जाने के लिए नाली निर्माण कराने की व्यवस्था की जाये।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया प्रकाशन रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय प्रभात बिहार कॉलोनी सतना से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी आर.एन.आई नं.एमपीएचआईएन/2021/81683
प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चक्रधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9407132714, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार, सभी विवादो का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।